RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच
साझा करें अपने मित्रों से
सांध्य दैनिक
दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग
संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 216 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, मंगलवार 24 मई 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास खबर

चिंतन शिविर के बाद ऐक्शन में कांग्रेस, टास्क फोर्स समेत तीन समूह गठित, 23 नेता संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान के उदयपुर में चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस पार्टी तेजी से कमर कसती नजर आ रही है। खबर है कि पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उदयपुर 'नव संकल्प' घोषणापत्र को लागू करने के लिए टास्क फोर्स गठित कर दी है। शिविर के तीसरे यानि अंतिम दिन पार्टी अध्यक्ष ने ऐलान किया था कि आंतरिक सुधारों को लागू करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाई जाएगी। इसके अलावा पार्टी ने दो और समूह बनाए हैं।

सोनिया गांधी ने सोमवार को राजनीति पॉलिटिकल अफेयर्स ग्रुप, टास्क फोर्स-2024 और सेंट्रल प्लानिंग ग्रुप गठित कर दिया है। एक ओर जहां राजनीतिक मामलों और टास्क फोर्स के लिए 8 नेताओं की टीम बनाई गई है। वहीं, केंद्रीय स्तर पर बने समूह में 9 लोग शामिल हैं। पार्टी अध्यक्ष ने कहा था कि 2024 लोकसभा चुनावों के मद्देनजर ये सुधार तैयार किए गए हैं।

किसे मिली क्या जिम्मेदारी

ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की तरफ से जारी सूची के अनुसार, पॉलिटिकल अफेयर्स ग्रुप में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, गुलाम नबी आजाद, अंबिका सोनी, दिग्विजय सिंह, आनंद शर्मा, केसी वेणुगोपाल, जितेंद्र सिंह रहेंगे। वहीं, टास्क फोर्स-2024 में पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, प्रियंका गांधी वाड्रा, रणदीप सिंह सुर्जेवाला, सुनील कानुगोलू शामिल हैं।

बघेल ने पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र के फैसले को बताया गलत, कहा-

500 करोड़ का होगा नुकसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बढ़ती महंगाई की मार झेल रहे लोगों को केंद्र सरकार ने शनिवार (21 मई) को राहत देते हुए पेट्रोल पर आठ रुपये और डीजल पर छह रुपये केंद्रीय उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) कम कर दी। जिस पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार के इस कदम से छत्तीसगढ़ सरकार को 500 करोड़ का नुकसान होगा।

दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती के बाद विपक्ष का कहना है कि इससे राज्यों को नुकसान होगा। जिसपर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं होगा।

वित्त मंत्री को जवाब देते हुए बघेल ने कहा, वह उनकी बात से सहमत नहीं हैं। उनका जो बयान आया है कि राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा, यह मुझे समझ नहीं आया। यदि केंद्र सरकार केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती करती है तो इससे राज्यों को मिलने वाले 42 प्रतिशत हिस्से में भी कमी आएगी। इसका मतलब हमारे हिस्से में भी कमी आएगी।

हरदीप पुरी ने विपक्ष पर साधा निशाना

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि मैं विपक्षी नेताओं के बयानों से आश्चर्य में नहीं हूं। राजस्थान, महाराष्ट्र और केरल के वरिष्ठ नेता जिस तरह श्रेय लेने की होड़ लगाए हुए हैं और केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती के फैसले पर राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं, यह नई बात नहीं है। वे जनता को गुमराह नहीं कर पाएंगे।

सीएम बघेल का कहना है कि अगर पेट्रोल-डीजल के दाम गिरते हैं तो वैट में भी गिरावट देखने को मिलती है। हमारे यहां 24 प्रतिशत वैट है और जो कीमत कम होगी हमें उसका 24 प्रतिशत ही वैट मिलेगा। ऐसे में हमें 500 करोड़ का नुकसान होगा। ऐसे में केंद्र सरकार को लगाया गया सेस वापस ले लेना चाहिए। पेट्रोल-डीजल पर लगाए गए 4 प्रतिशत सेस को हटाना चाहिए। यूपीए सरकार के समय केंद्रीय उत्पाद शुल्क 3 रुपये और 9 रुपये था। अगर केंद्र सरकार इसी दर पर एक्साइज ड्यूटी को ले आती है तो पूरे देश में पेट्रोल और डीजल सस्ता हो जाएगा।

सीएम बघेल का नक्सगढ़ की महिलाओं से वादा कहा- महुआ इंग्लैंड जाता है तो आपको भी वहां का टूर कराएंगे

दंतेवाड़ा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की महिलाओं से उन्हें इंग्लैंड का टूर कराने का वादा किया है। छत्तीसगढ की महिलाएं भेट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत इंग्लैंड जाएंगी। दंतेवाड़ा जिले की अंदरूनी इलाके की महिलाओं को इंग्लैंड का सफ़र कराने की बात मुख्यमंत्री भूपेस बघेल ने कही है।

जब एक कार्यक्रम के दौरान नक्सलगढ़ की महिलाओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि उनका महुआ इंग्लैंड जा रहा है, तो बघेल ने खुश होकर महिलाओं को इंग्लैंड टूर पर भेजने का वादा कर दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओं से कहा कि जब आपका महुआ इंग्लैंड जा रहा है, तो अब आप भी इंग्लैंड जाएंगी। हम आपको इंग्लैंड का टूर कराएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, दंतेवाड़ा जिले मासोड़ी की रहने वाली महिलाओं ने बताया कि सरकार ने नेट वितरित किया है। पेड़ से नेट को बांधने पर महुआ नेट में गिरता है। जिस वजह से महुआ को एकत्रित करने में भी ज्यादा समय नहीं लगता। यह काम 10 से 20 मिनट में हो जाता है। अच्छी गुणवत्ता का महुआ उन्हें मिलता है। इस महुआ को वह अच्छे खासे दाम में बेचती हैं। जो महुआ कभी 30 से 40 रुपये प्रतिकिलो में वह बेचा करती थी। आज उसकी किमत 100 रुपये प्रतिकिलो के पार चली गई है।

महिलाओं का कहना है कि पहले महुआ बीनने में काफ़ी समय लगता था। परंपरा अनुसार महुआ बीनने में 3 घंटे से ज्यादा का वक्त लगता था। पेड़ से नीचे जमीन पर गिरने की वजह से महुआ खराब दिखता था, उसकी गुणवत्ता में कमी आ जाती थी। जिस वजह से उन्हें बाजार में इसके अच्छे दाम नहीं मिलते थे।

नक्सलियों के नापाक मंसूबे नाकाम

सर्चिंग पार्टी ने बरामद किया 5 किलो का बम, जवानों को नुकसान पहुंचाने किया था प्लांट

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में जवानों ने माओवादियों के नापाक मंसूबों को एक बार फिर नाकाम दिया है। सर्चिंग पर निकली कोबरा 206 वाहिनी की ष्ठ कंपनी ने एलमागुंडा और मिनपा के बीच पांच किलो का आईईडी बरामद किया है। नक्सलियों ने जवानों को नुकसान पहुंचाने जंगल में बम को प्लांट किया था। सर्चिंग पर निकले जवानों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। बीडीएस (बम निरोधक दस्ता) की टीम ने बम को विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया। बम इतना शक्तिशाली था कि जवान चपेट में आते तो बड़ा नुकसान हो जाता।

इन दिनों माओवादी संगठन पुलिस से आमने-सामने की भिड़ंत के बजाय बम प्लांट करने की घटनाओं को ज्यादा अंजाम दे रहे हैं। बीजापुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा व सुकमा इलाके में लगातार बम मिलने और आईईडी विस्फोट की घटनाएं हो रही हैं। सुकमा जिले के एलमागुंडा व मिनपा के बीच जवानों को नुकसान पहुंचाने माओवादियों ने आईईडी लगाकर बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश रची थी, जिसे सर्चिंग टीम ने नाकाम कर दिया है। जानकारी के अनुसार कोबरा 206 वाहिनी के द्वितीय कमान अधिकारी अनिल कुमार, डिप्टी कमांडेंट प्रशांत राय और सौरभ यादव के नेतृत्व में टीम सर्चिंग पर निकली थी।

बीजापुर में 3, नारायणपुर में मिला था बम

बता दें कि बीजापुर जिले के नेलसनार इलाके में इस महीने आईईडी विस्फोट की तीन घटनाएं हो चुकी है। 12 मई को सीआरपीएफऔर जिला बल के जवानों ने नेलसनार थानाक्षेत्र के अंतर्गत एक 5 किलो का कुकर बम बरामद किया था, जिसे सुरक्षित तरीके से बीडीएस की टीम द्वारा विस्फोट कर दिया गया था। 14 मई को फिर इसी क्षेत्र में एक प्रेशर बम के विस्फोट होने से सीएएफ8वीं वाहिनी का ही एक और जवान घायल हुआ था। 21 मई को सीएएफका जवान आईईडी की चपेट में घायल हो चुका है। 17 मई को नारायणपुर जिले के ओरझा बाजार में जवानों ने 5 किलो का बम बरामद किया था।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली 34 ट्रेनें 24 जून तक नहीं चलेंगी, सीएम बघेल ने बताई साजिश

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। कोयला ढुलाई को निर्बाध जारी रखने के लिए रेलवे ने छत्तीसगढ़ से चलने और गुजरने वाली 34 ट्रेनों का निरस्तीकरण एक माह तक बढ़ा दिया है। अब 24 जून तक इन ट्रेनों का संचालन नहीं होगा। राज्य के सीएम भूपेश बघेल ने इसे रेलवे के निजीकरण की साजिश बताया है।

रेलवे बोर्ड ने यह फैसला किया है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से इस बारे में चर्चा की थी। इसके बाद छह ट्रेनों को बहाल किया गया था। रेलवे ने पिछले माह गहराए बिजली संकट के बीच ताप विद्युत संयंत्रों तक कोयला ढुलाई में बाधा नहीं आए इसलिए देशभर में सैकड़ों ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया था। इनमें छत्तीसगढ़ से गुजरने व चलने वाली वाली अनेक ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों को पहले 24 मई तक निरस्त किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 24 जून कर दिया गया है। इससे छत्तीसगढ़ के ही नहीं बल्कि राज्य से गुजरने वाली ट्रेनों के हजारों यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। दक्षिण पूर्व और मध्य रेलवे के स्टेशनों से चलने वाली ट्रेनें निरस्त होने से अनेक राज्यों से आवाजाही मुश्किल होगी।

तृप्ति नेताम ने जाहिर की सीएम बनने की इच्छाः मुख्यमंत्री ने कहा अच्छी पढ़ाई और जनता की सेवा कर बन सकती है सीएम

कक्षा 10वीं की तृप्ति ने फर्राटेदार अंग्रेजी में मुख्यमंत्री से की बात

रायपुर। दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण विकासखंड में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान दंतेवाड़ा की कक्षाा 10वीं की छात्रा तृप्ति नेताम ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सौजन्य मुलाकात की। फर्राटेदार अंग्रेजी में तृप्ति ने मुख्यमंत्री श्री बघेल के सामने छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री बनने की इच्छा जाहिर की। सीएम बघेल ने कहा कि अच्छी पढ़ाई और जनता की सेवा कर मुख्यमंत्री बन सकती हैं। सर्वप्रथम आपको अच्छी पढ़ाई करनी है। इसके बाद आपको जनता की सेवा में लगना है। तृप्ति ने स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया।

जिंदगी पर भारी पड़ रहा खराब मौसम, दिन और शाम के तापमान में अंतर, बढ़ रहे हाइपोथर्मिया के मामले

रुद्रप्रयाग (एजेंसी)। केदारनाथ में पल-पल बदल रहा मौसम यात्रियों लिए मुसीबत बन रहा है। बारिश, ओलावृष्टि और ऊपरी पहाड़ियों पर हो रहे हिमपात से केदारपुरी में ठंड बढ़ रही है, जिससे हाइपोथर्मिया के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। दिन और शाम के तापमान में यहां 18 से 21 डिग्री तक का अंतर है। इसके अलावा पैदल मार्ग पर रामबाड़ा से रुद्रा प्वाइंट तक चार किलोमीटर की चढ़ाई भी यात्रियों पर भारी पड़ रही है। कपाट खुलने के बाद अभी तक 28 यात्रियों की मौत हो चुकी है। इनमें से 27 यात्रियों को दिल का दौरा पड़ा था।

समुद्रतल से 11750 फिट की ऊंचाई पर स्थित केदारनाथ तीन तरफसे पहाड़ियों से घिरा हुआ है। साथ ही गौरीकुंड की तरफका क्षेत्र भी संकरा और घाटीनुमा है, जिससे यहां मौसम कभी भी खराब हो सकता है। यहां कब बारिश, ओलावृष्टि और बर्फबारी हो जाए, कुछ कहा नहीं जा सकता। मौसम का यही मिजाज बाबा केदार के भक्तों पर भारी पड़ रहा है। 6 मई से शुरू हुई यात्रा के बाद से आए दिन मौसम खराब हो रहा है। धाम में सुबह से दोपहर तक तापमान 20 से 24 डिग्री तक रहता है, लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम में बदलाव से पारा गिरकर 2 से 3 डिग्री तक पहुंच जाता है।

बारिश के चलते दर्शनों के लिए लाइन में खड़े यात्री भीग रहे हैं, जिस कारण वे हाइपोथर्मिया का शिकार हो रहे हैं। इन हालातों में केदारनाथ में बीते एक सप्ताह में हाइपोथर्मिया के मामले 30 से 35 फीसदी बढ़े हैं। साथ चारों तरफ कोहरा छाने से कई यात्रियों को सांस लेने में दिक्कत, सीने में दर्द, चक्कर आने की शिकायत हो रही है। इन समस्याओं से ही अभी तक ज्यादा यात्रियों की मौत हुई है।

चार किमी की चढ़ाई बन रही परेशानी

गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल मार्ग पर रामबाड़ा से रुद्रा प्वाइंट के बीच चार किमी की कैंचीदार चढ़ाई यात्रियों को सबसे अधिक परेशान कर रही है। यहां मंदाकिनी नदी के दोनों तरफ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ होने से क्षेत्र पूरी तरह से वी-आकार की घाटी जैसा है, जिस कारण यहां ऑक्सीजन का लेवल कम है। इस चार किमी क्षेत्र में कई यात्रियों की सांस फूल रही है, जो कई बार जानलेवा साबित हो रही है।

राजस्थान में बन रही ब्लैकआउट की स्थिति

छत्तीसगढ़ से नहीं मिला कोयला तो 4340 मेगावाट के प्लांट हो जाएंगे बंद

सरगुजा (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में राजस्थान सरकार को आवंटित कोयला खदानों के शुरू नहीं से बिजली संकट की स्थिति बन रही है। राजस्थान के पावर प्लांटों को चलाने जून के पहले सप्ताह तक का ही कोयला बचा है। राजस्थान में 7,580 मेगावाट थर्मल जनरेशन का प्लांट है। कोयला नहीं मिलने से 4,340 मेगावाट के प्लांट बंद हो जाएंगे। परसा ईस्ट केते का सेकंड फेस से उत्पादन शुरू नहीं हुआ तो राजस्थान में बिजली की भारी समस्या होगी। उक्त बातें राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के सीएमडी आरके शर्मा ने छत्तीसगढ़ दौरे पर कही।

सीएमडी आरके शर्मा सोमवार को छत्तीसगढ़ के सूरजपुर कलेक्टर से मिलने पहुंचे। इस दौरान परसा केते के सेकंड फेस को जल्द से जल्द शुरू कराने पर चर्चा हुई। शर्मा ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सरगुजा संभाग में ग्रामीण और एनजीओ के विरोध के कारण परसा केते का सेकंड फेस शुरू नहीं हुआ है। खदान शुरू नहीं हुआ तो राजस्थान को भीषण बिजली संकट से गुजरना पड़ेगा। केंद्र और राज्य सरकार से एनओसी मिले 2 माह का समय गुजर गया है। शर्मा ने कलेक्टर इफ्फत आरा से परसा खदान की सभी अड़चनों को दूर कराकर जल्द से जल्द खदान शुरू कराने सहायता का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि आरआरवीयूएनएल के तीनों खदान परसा ईस्ट केते बासेन (पीईकेबी), परसा और केते एक्सटेशन में फिलहाल पीईकेबी में ही कोयला उत्पादन जारी है। वहीं अन्य 2 की प्रक्रियाओं में अभी कई अड़चनों के कारण खनन शुरू नहीं हो पा रहा है। बता दें कि खनन के लिए एनओसी मांगने राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत छत्तीसगढ़ आए थे। उन्होंने सीएम भूपेश बघेल से मुलाकात की थी।

खदान खोलने का हो रहा भारी विरोध

बता दें कि छत्तीसगढ़ के हसदेव अरण्य क्षेत्र में राजस्थान को आवंटित परसा कोल ब्लॉक का विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज के आह्वान पर प्रदेशभर के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ प्रभावित क्षेत्र के ग्रामीण सड़क पर उतर आए थे। आक्रोशित लोगों ने करीब 6 घंटे तक अंबिकापुर-बिलासपुर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। सालही के समीप कोयला परिवहन के लिए बिछाए गए रेलवे ट्रैक में बैठ गए, जिससे कोल परिवहन ठप हो गया। जल, जंगल, जमीन को बचाने ग्रामीण 2 मार्च से प्रभावित क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर में धरना दे रहे हैं। हसदेव बचाओ को लेकर अभियान चल रहे हैं। अडानी की कंपनी ने काम शुरू किया तो ग्रामीणों ने कर्मचारियों के लिए बनाए गए कैंप को आग के हवाले कर दिया। वहीं पेड़ों की कटाई रोकने महिलाएं व पुरुष 3 शिफ्ट में रखवाली कर रहे हैं। जंगल के अंदर ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी है। पेड़ कटाई मामले में हाईकोर्ट ने वन विभाग को फटकार भी लगाई है। वहीं आम आदमी पार्टी ने खनन रद्द करने आंदोलन शुरू कर दिया है।

25 मार्च को मिली खनन की अनुमति

सीएमडी शर्मा ने कहा कि कुछ लोगों के विरोध की वजह से परसा ईस्ट के द्वितीय फेज और परसा कोल ब्लॉक को मिली कानूनी अनुमति के बाद भी खनन शुरू नहीं हो पा रहा है। पीईकेबी खदान के द्वितीय फेज में खनन की अनुमति मार्च 25 को प्रदान मिली है। अगर राजस्थान के 4340 मेगावाट के यूनिटों के लिए जून के प्रथम सप्ताह तक कोयला नहीं मिला तो राजस्थान में अंधकार की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। क्षेत्र का विकास नहीं होने के सवाल पर शर्मा ने कहा कि अभी हम 100 बिस्तरों का एक अस्पताल खोलने जा रहे है, जिससे सभी को अच्छी स्वास्थ्य सुविधा प्राप्त होगी। सीएसआर के तहत खनन क्षेत्र में विकास कार्य भी कराए गए हैं। उन्होंने कलेक्टर-एसपी से परियोजना की बाधाओं को जल्द दूर करने का अनुरोध किया गया है।

संपादकीय

टोक्यो में प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा वैश्विक कूटनीति के अलावा क्वाड में शामिल देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से भी काफी महत्वपूर्ण है। भारत-अमेरिका-जापान और ऑस्ट्रेलिया के शासनाध्यक्षों की टोक्यो में आज हो रही बैठक क्या अहमियत रखती है, बीजिंग की तिलमिलाहट इसे बताने के लिए काफी है। यह छिपी हुई बात नहीं है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व आर्थिकी में महत्वपूर्ण हैसियत रखता है और बीजिंग यहां अपना दबदबा कायम करने में जुटा है। 'बेल्ट ऐंड रोड इनीशिएटिव' के पीछे की उसकी मंशा को पश्चिम के साथ-साथ भारत भी बखूबी समझता है और इसीलिए उसने इससे दूरी बनाए रखी। फिर भारत उसकी प्रच्छन्न 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल' नीति से भी अनभिज्ञ नहीं है, जिसके तहत वह पाकिस्तान में ग्वादर, श्रीलंका में हंबनटोटा, बांग्लादेश में चिटगांव बंदरगाहों के विकास की आड़ में भारत को घेरने में जुटा है। ऐसे में, राष्ट्रपति जो बाइडन का इस क्षेत्र के लिए एक बड़ी आर्थिक पहल की घोषणा स्वागतयोग्य है।

> दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था अपने हितों से किसी किस्म का समझौता नहीं करने वाली। प्रधानमंत्री मोदी ने टोक्यो से जो संदेश दिया है, यकीनन बीजिंग को उसमें दृढ़ता दिखी होगी। इसलिए उसे क्वाड से चिढ़ने के बजाय अपनी नीतियों पर गौर करना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क' के जरिये उभरती आर्थिक चुनौतियों के मुकाबले का जो इरादा जताया है, उसमें सुरक्षित और लचीली आपूर्ति श्रृंखला बनाने की बात काफी अहम है। इस समय दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को इस मोर्चे पर भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अनेक चीजों की आपूर्ति काफी प्रभावित हुई है और संसार भर में बढ़ती महंगाई के पीछे यह भी एक बड़ी वजह है। प्रधानमंत्री मोदी ने संकेत दिया भी है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति से इन तमाम बिंदुओं पर बातचीत करेंगे। भारत व अमेरिका, दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। इनके हितों की साझीदारी न सिर्फ वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि लोकतंत्रों की मजबूती के लिए भी जरूरी है। पर यूक्रेन युद्ध के बाद वाशिंगटन का रवैया कई बार नागवार गुजरा था। आशा है, राष्ट्रपति बाइडन के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत में दोनों देश एक-दूसरे की अपेक्षाओं को समझ सकेंगे।

जापान ने अगले पांच वर्षों में भारत में बड़े निवेश की घोषणा कर रखी है। प्रधानमंत्री की वहां करीब तीन दर्जन कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों से मुलाकात का कदम इस लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है। दरअसल, जिस तरह से जापान की जनसांख्यिकी में असंतुलन पैदा हो रहा है, आने वाले दिनों में उसे भारी मानव संसाधन की जरूरत पड़ेगी, तो वहीं भारत को अपनी विकास योजनाओं के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी की आवश्यकता है। ये दोनों देश एक-दूसरे की जरूरतें पूरी कर सकते हैं। जापान में भारतीय समुदाय के लोगों ने अपनी कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है। हिंद प्रशांत क्षेत्र में इन दोनों देशों को चीन से चुनौती मिल सकती है। चूंकि विश्व-व्यापार का 75 फीसदी आयात-निर्यात इसी रास्ते से होता है, इसलिए अमेरिका भी की दिलचस्पी किसी सूरत बीजिंग को रोकने में है। एक बड़ा बाजार होने के नाते भारत को इस स्थिति का पूरा-पूरा लाभ उठाना चाहिए। बीजिंग को यह समझना ही होगा कि भारतीय सीमाओं पर दबाव बनाने की रणनीति के सहारे वह कुछ भी हासिल नहीं कर सकता। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था अपने हितों से किसी किस्म का समझौता नहीं करने वाली। प्रधानमंत्री मोदी ने टोक्यो से जो संदेश दिया है, यकीनन बीजिंग को उसमें दृढ़ता दिखी होगी। इसलिए उसे क्वाड से चिढ़ने के बजाय अपनी नीतियों पर गौर करना चाहिए।

श्रीलंका के नक्शे-कदम?

पाकिस्तान में श्रीलंका जैसे हालात बनने का अंदेशा गहरा रहा है। अर्थशास्त्रियों ने वित्तीय आपातकाल लागू करने की सलाह सरकार को दी है। तो अब देखने की बात यह होगी कि मौजूदा सत्ताधारी अपने राजनीतिक हित और देश के हित के बीच किसे तहजीह देते हैं।

पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था के श्रीलंका की राह पर जाने के संकेत हैँ। मौजूदा वित्त वर्ष में देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 21.72 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। इसी कारण अब अर्थशास्त्रियों ने देश में वित्तीय आपातकाल लागू करने की सलाह दी है। उनकी राय है कि देश के कॉरपोरेट सेक्टर मिली आठ खरब रुपये की टैक्स रियायत को तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। जमीन और अन्य जायदाद पर नए टैक्स लगाए जाने चाहिए। गैर जरूरी रक्षा खर्च घटाने, 1600 सीसी से अधिक क्षमता वाले वाहनों पर इमरजेंसी टैक्स लगाने, बिजली शुल्क दो गुना करने, और आठ सौ वर्ग गज से अधिक के आवासीय जायदाद पर कर लगाने की सलाह भी मौजूदा शाहबाज शरीफ सरकार को दी गई है। मगर सरकार के लिए इस सलाह को मानना आसान नहीं है।

> बेशक इस तर्क में दम है, लेकिन तमिल को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यहां अंग्रेजी माध्यम का निरंतर विकास हो रहा है। जाहिर है, यह एक ऐसा मसला है, जहां राजनीतिक वर्ग (जगनमोहन एक अपवाद हैं) लोकप्रिय धारणा के विपरीत चलता दिखता है।

भाषायी विवाद को आईना दिखाता आंध्र

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

आंध्र प्रदेश जल्द ही देश का पहला अंग्रेजी माध्यम वाला राज्य बन सकता है, यानी यहां के सभी स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी होगा। मातृभाषा तेलुगु की शिक्षा अनिवार्य जरूर होगी, लेकिन इसे सिर्फ एक भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी ने अदालतों के प्रतिकूल फैसले के बावजूद यह निर्णय लिया है। उन्होंने इसके लिए एक प्रचलित रास्ता अपनाया और माता-पिता से बातचीत की। 96 प्रतिशत अभिभावकों ने अपने बच्चों की शिक्षा के लिए अंग्रेजी माध्यम का विकल्प चुना, जबकि तीन फीसदी ने तेलुगु में पढ़ाई कराने पर जोर दिया।

राज्य सरकार का कहना है कि यह फैसला 'बच्चों को 21वीं सदी की चुनौतियों और करियर के अवसरों के लिए तैयार करने के दीर्घकालिक मकसद से लिया गया है'। आंध्र प्रदेश में 63,343 स्कूल हैं, जिनमें से 71.27 फीसदी सरकारी हैं। इनमें से ज्यादातर स्कूल पहले से ही अंग्रेजी में शिक्षा दे रहे हैं। अब यह छिपा तथ्य नहीं है कि जो बच्चे अंग्रेजी में शिक्षा पाते हैं, उनकी आय अधिक होती है और उनको जीवन में अवसर भी ज्यादा मिलते हैं। यह बेरोजगारी के खतरे को भी कम करता है। इसकी पुष्टि इस बात से भी होती है कि अधिकारी संवर्ग और अच्छी तनख्वाह वाली ज्यादातर नौकरियों में संवाद के लिए अंग्रेजी भाषा की जरूरत पड़ती है। अब तो समाज के हाशिये के लोग भी यही चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में शिक्षित किए जाएं, क्योंकि वे इसे बेहतर भविष्य की राह मानते हैं।

ऐसा सिर्फ दक्षिण में ही नहीं दिखता। उत्तर भारत में भी लोग यही चाहते हैं। केंद्र सरकार की 2019-20 की यूडीआईएसई रिपोर्ट में देश भर के 15 लाख से अधिक स्कूलों में प्राथमिक से सीनियर सेकेंडरी तक के 26.5 करोड़ बच्चों पर अध्ययन करके बताया गया है कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को ज्यादा तवज्जो दी जाती है। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि शिक्षा के लिए अंग्रेजी माध्यम चुनने वाले बच्चों के अनुपात में सबसे अधिक वृद्धि हरियाणा में हुई है। वहां साल 2014-15 में 27.6 फीसदी छात्रों की तुलना में 2019-20 में 23 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, यानी यहां 50 फीसदी से अधिक बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ रहे हैं।

इसी सर्वे के मुताबिक, तेलंगाना ने 2014-15 की तुलना में 21.7 फीसदी की छलांग लगाई और यहां के करीब 74 फीसदी बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पढ़ते हैं। दिलचस्प है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में तेलुगु माध्यम में पढ़ने वाले बच्चों का अनुपात सबसे कम है। आंध्र प्रदेश में एक तिहाई से भी कम बच्चे तेलुगु माध्यम से पढ़ाई करते हैं, जबकि केरल में मलयालम में पढ़ाई करने वाले बच्चों का प्रतिशत 35 है।

तमिलनाडु जैसे राज्य में भी, जहां पर पहचान की राजनीति मातृभाषा तमिल के ईद-गिर्द घूमती है, शिक्षा का पसंदीदा माध्यम अंग्रेजी है। वर्ष 2014-15 में यहां के 42.6 फीसदी बच्चे अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा ले रहे थे, जिनका आंकड़ा 2019-20 में 57.6 फीसदी हो गया। कर्नाटक में भी 2014 से 2019 के बीच अंग्रेजी माध्यम को चुनने वाले बच्चों में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साफ है, जगनमोहन रेड्डी का लक्ष्य सीधा है। बेशक, तेलुगु माध्यम को खत्म करने की प्रक्रिया अब औपचारिक रूप से शुरू की जा रही है, पर यह चलन तो कई साल पहले ही शुरू हो चुका है। इसीलिए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि अगले तीन-चार वर्षों में यहां की प्राथमिक शिक्षा पूरी तरह से अंग्रेजी माध्यम से दी जाने लगेगी, जिसका सीधा असर माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्कूलों पर पड़ेगा।

इससे शिक्षाविदों को जरूर परेशानी हो रही होगी, क्योंकि अधिकांश अध्ययनों से पता चला है कि बच्चों को जब मातृभाषा में शिक्षा दी जाती है, तब कहीं बेहतर नतीजे मिलते हैं। हालांकि, पूरे भारत में अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों का प्रसार हुआ है, फिर भी शिक्षक शायद ही अंग्रेजी में बात करते हैं। वहां पठन-पाठन अमूमन मातृभाषा में ही होता है। कुछ कक्षाओं में तो अंग्रेजी को भी मातृभाषा में पढ़ाया जाता है। फिर भी, सच यही है कि मध्यवर्ग का एक बड़ा तबका इस तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। दिल्ली में ही 60 प्रतिशत स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

दलित-अधिकारों की आवाज बुलंद करने वाले कांचा इलैया ने जगनमोहन के इस कदम का स्वागत करते हुए लिखा है कि यह उनके चुनावी वादों में से एक है और इसे पूरा किया जाना चाहिए। वह लिखते हैं, अगर ग्रामीण निम्न वर्ग के गरीब बच्चों के अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने से तेलुगु भाषा मर जाएगी, तो यह तब क्यों नहीं मरती, जब अमीर घरों के बच्चे सिर्फ अंग्रेजी माध्यम के निजी स्कूलों में पढ़ने जाते हैं? महज अंग्रेजी में पढ़ाई करके वे राज्य और राष्ट्र के मुखिया कैसे बन सकते हैं? अपनी बात स्पष्ट करते हुए वह लिखते हैं, जगनमोहन रेड्डी से लेकर अखिलेश यादव, निर्मला सीतारमण, नारा लोकेश, केटी रामाराव, सचिन पायलट, आदित्य ठाकरे तक तमाम नेताओं ने अंग्रेजी माध्यम में अपनी शिक्षा हासिल की है। क्या गांवों के गरीब व निचली जाति के नौजवानों को उनकी तरह बनने का सपना नहीं देखना चाहिए?

यह भाषायी उग्र-राष्ट्रीयता या पहचान के रूप में भाषा-आधारित राजनीति करने संबंधी प्रवृत्ति के विपरीत है। इसकी वजह यही है कि भारतीय समाज स्वयं विकसित हुआ है और वर्षों से भारत की शिक्षा नीति भाषाओं को लेकर सफल साबित नहीं हो पाई है। हाल में जब केंद्रीय गृह मंत्री ने केंद्र सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अंग्रेजी का विकल्प बनाने की बात कही, तो गैर-हिंदीभाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण में विरोध-प्रदर्शन हुए और उन्होंने इसे उन पर हिंदी थोपने का एक और प्रयास बताया।

इसी तरह, तमिलनाडु मेडिकल प्रवेश परीक्षा के रूप में 'नीट' का विरोध करता रहा है, क्योंकि वह मानता है कि अधिकांश ग्रामीण बच्चे तमिल भाषा में पढ़ते हैं और सीबीएसई के पाठ्यक्रम से अवगत नहीं हैं। बेशक इस तर्क में दम है, लेकिन तमिल को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि यहां अंग्रेजी माध्यम का निरंतर विकास हो रहा है। जाहिर है, यह एक ऐसा मसला है, जहां राजनीतिक वर्ग (जगनमोहन एक अपवाद हैं) लोकप्रिय धारणा के विपरीत चलता दिखता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

आखिर क्यों बिखरता जा रहा बंगाल में भाजपा का कुनबा

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

दो बहुत पुरानी कहावतें हैं- पहली यह कि राजनीति में न तो दोस्ती स्थायी होती है और न दुश्मनी। दूसरी मशहूर कहावत है- इश्क और जंग में सब कुछ जायज है। लेकिन हाल के वर्षों में इससे एक और शब्द जुड़ गया है- सियासत, यानी प्यार, युद्ध और राजनीति में सब कुछ उचित है। अनुचित कुछ भी नहीं। पश्चिम बंगाल में खासकर भारतीय जनता पार्टी के उभार के बाद ये दोनों कहावतें खूब चरितार्थ हो रही हैं। बीते साल विधानसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस से नेताओं के भाजपा में जाने की होड़ मची थी, लेकिन चुनाव नतीजों के बाद से ही यहां उल्टी गंगा बहने लगी है। ऐसे ज्यादातर लोग या तो घर वापसी कर चुके हैं, या फिर आने की हरसंभव जुगत में हैं।

कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर से सांसद अर्जुन सिंह की तृणमूल कांग्रेस में वापसी से जहां भगवा खेमे को करारा झटका लगा है, वहीं इससे कई अन्य नेताओं की वापसी का अंदेशा भी बढ़ गया है। अर्जुन सिंह के पुत्र और भाजपा विधायक पवन सिंह भी अगले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस का दामन थामेंगे। अर्जुन करीब 21 साल तक तृणमूल कांग्रेस से चार बार विधानसभा चुनाव जीत चुके थे, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा में चले गए। उन्हें इसका इनाम भी मिला और वह पार्टी टिकट पाकर लोकसभा भी पहुंच गए। उनके इस्तीफे से खाली विधानसभा सीट पर भाजपा ने उनके बेटे को उतारा, और वह भी विधानसभा पहुंच गए। दरअसल, हुगली के किनारे बसा बैरकपुर और उससे सटे तमाम इलाके जूट मिलों के लिए मशहूर रहे हैं, और वहां काम करने वाले ज्यादातर लोग बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश से आए हुए हैं। इन लोगों में अर्जुन सिंह की खासी पैठ है। उनकी इसी काबिलियत को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने उन्हें अपने पाले में खींचा था। पर महज तीन साल में अर्जुन का भाजपा से मोहभंग हो गया, और अब वह फिर से तृणमूल का हिस्सा बन गए हैं।

पश्चिम बंगाल में दलबदल की परंपरा नई नहीं है, लेकिन वर्ष 2014 के बाद भाजपा के उभार ने इस परंपरा को अचानक तेज कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस भी पश्चिम बंगाल के अलावा असम, मेघालय और त्रिपुरा जैसे पूर्वोत्तर के राज्यों में दलबदल के हथियार का इस्तेमाल करते हुए कांग्रेस और भाजपा नेताओं को अपने पाले में खींच रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की 42 में से 18 सीटें जीती थीं, लेकिन पहले आसनसोल से सांसद बाबुल सुप्रियो ने टीएमसी का दामन थाम लिया और अब अर्जुन सिंह ने। इसी तरह, विधानसभा चुनाव में भाजपा को 77 सीटें मिली थीं, लेकिन नतीजों के तुरंत बाद मुकुल राय से घर वापसी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वह जस का तस है। उसके विधायकों की संख्या 70 रह गई है।

अर्जुन सिंह की तृणमूल वापसी में अहम भूमिका निभाई है केंद्रीय जूट नीति ने। इलाके के जूट मजदूरों के हितों का ध्यान रखते हुए अर्जुन सिंह लगातार इस नीति का विरोध कर रहे थे। उन्होंने इस मुद्दे पर केंद्र को पत्र लिखने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सराहना भी की थी। अर्जुन की घर वापसी ने भाजपा में नए बनाम पुराने के द्वंद्व को एक बार फिर सतह पर ला दिया है। विधानसभा चुनाव में तृणमूल से आने वालों को थोक में टिकट दिए जाने का भारी विरोध हुआ था। आरोप लगा कि लंबे समय से जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों की अनदेखी कर नए लोगों को टिकट दिए गए। अब अर्जुन सिंह की वापसी ने ऐसे नेताओं को एक बार फिर बोलने का मौका दे दिया है। वे कहीं तीखे हमले कर सकते हैं।

विधानसभा चुनाव के बाद से ही बंगाल भाजपा में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। वह पलायन, मतभेद और गुटबाजी से जूझ रही है। इसी वजह से उसे अचानक प्रदेश अध्यक्ष को बदलना पड़ा। फिर भी उसका कुनबा बिखरता जा रहा है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि विधानसभा चुनाव के बाद से शीर्ष नेतृत्व ने बंगाल के स्थानीय नेताओं की बातों पर ध्यान देना लगभग बंद कर दिया है। यही वजह है कि जूट नीति पर अर्जुन सिंह की मांगों को भी कोई तवज्जो नहीं मिली। ऐसे में, जूट मजदूरों की राजनीति करने वाले अर्जुन सिंह को अपना राजनीतिक वजूद बचाने के लिए भाजपा को छोड़ने और तृणमूल कांग्रेस में फिर से वापसी के सिवा कोई चारा नहीं बचा था।

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की लगातार खिसकती जमीन अगले आम चुनाव के मद्देनजर पार्टी नेताओं के लिए खतरे की घंटी है। भगवा पार्टी ने तृणमूल को मात देने के लिए जो ब्रह्मास्त्र चलाया था, वही अब उसके लिए भारी साबित हो रहा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

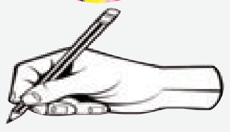

फूलों से कोमल
ओस की बूंदों जैसा
एहसास जागती,
अद्भूत मेरी कल्पना
जाती हूं भगवन तेरी
ही मेरी पहचान है।

-अंजली जैन
7024460938

सत्ता ही सत्य, ईश्वर मिथ्या है

वेद प्रताप वैदिक

ज्ञानवापी की मस्जिद की हर गुंबद के नीचे कुछ न कुछ ऐसे प्रमाण मिल रहे हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि वह अच्छा-खासा मंदिर था। यही बात मथुरा के श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर लागू हो रही है। छोटी और बड़ी अदालतों में मुकदमों पर मुकदमे ठोक दिए गए हैं। अदालतें क्या करेंगी? वे क्या फैसला देंगी? क्या वे यह कहेंगी कि इन मस्जिदों को तोड़कर इनकी जगह फिर से मंदिर खड़े कर दो?

फिलहाल तो वे ऐसा नहीं कह सकतीं, क्योंकि 1991 में नरसिंहराव सरकार के दौरान बना कानून साफ-साफ कहता है कि धर्म-स्थलों की जो स्थिति 15 अगस्त 1947 को थी, वह अब भी जस की तस बनी रहेगी। जब तक यह कानून बदला नहीं जाता, अदालत कोई फैसला कैसे करेगी? अब सवाल यह है कि क्या नरेंद्र मोदी सरकार इस कानून को बदलेगी? वह चाहे तो इसे बदल सकती है। उसके पास संसद में स्पष्ट बहुमत है।

देश के कई अन्य दल भी उसका साथ देने को तैयार हो जाएंगे। इसीलिए तैयार हो जाएंगे कि सभी दल बहुसंख्यक हिंदुओं के वोटों पर लार टपकाए रहते हैं। संप्रदायवाद की पकड़ भारत में इतनी जबर्दस्त है कि वह जातिवाद और वर्ग चेतना को भी परास्त कर देती है। यदि ऐसा हो जाता है और धर्म-स्थलों के बारे में नया कानून आ जाता है तो फिर क्या होगा?

फिर अयोध्या, काशी और मथुरा ही नहीं, देश के हजारों पूजा स्थल आधुनिक युद्ध-स्थलों में बदल जाएंगे। कुछ लोगों का दावा है कि भारत में लगभग 40,000 मंदिरों को तोड़कर मस्जिदें बनाई गई हैं। देश के कोने-कोने में कोहराम मच जाएगा। हर वैसी मस्जिद को बचाने में मुसलमान जुट पड़ेंगे और उसे ढहाने में हिंदू डट पड़ेंगे। तब क्या होगा? तब शायद 1947 से भी बुरी स्थिति पैदा हो सकती है। सारे देश में खून की नदियां बह सकती हैं। तब देश की जमीन के सिर्फ दो टुकड़े हुए थे, अब देश के दिल के सौ टुकड़े हो जाएंगे।

उस हालत में अल्लाह और ईश्वर दोनों बड़े निकम्मे साबित हो जाएंगे, क्योंकि जिस मस्जिद और मंदिर को उनका घर कहा जाता है, वे उन्हें ढहते हुए देखते रह जाएंगे। उनका सर्वशक्तिमान होना झूठा साबित होगा। अगर वे मंदिर और मस्जिद में सीमित हैं तो वे सर्वव्यापक कैसे हुए? उनके भक्त उनके घरों के लिए आपस में तलवारें भांजें और उन्हें पता ही न चले तो वे सर्वज्ञ कैसे हुए?

मंदिर और मस्जिद के इन विवादों को ईश्वर या अल्लाह और धर्म या भक्ति से कुछ लेना-देना नहीं है। ये शुद्ध रूप से सत्ता के खेल हैं। सत्ता जब अपना खेल खेलती है तो वह किस-किस को अपना गधा नहीं बनाती है? वह धर्म, जाति, वर्ण, भाषा, देश— जो भी उसके चंगुल में फंस जाए, वह उसी की सवारी करने लगती है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

मुख्यमंत्री ने 12 हितग्राहियों को किया योजनाओं से लाभान्वित

ग्राम सूरनार को मिला सामुदायिक वन संसाधन का अधिकार, कोड़ेनार के दो ग्रामीणों को मिला लाल पानी का मुआवजा

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश भर के दौरे पर निकले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रत्येक विधानसभा में आम जन से भेंट मुलाकात कर जमीनी स्तर पर शासन द्वारा संचालित योजनाओं की सफलता का आंकलन कर रहे हैं। क्षेत्र की जनता की मांग को देखते हुए एक ओर वे त्वरित घोषणाएं कर रहे है, तो दूसरी ओर बहुत से हितग्राहियों को विभिन्न विभागों के अनेकों योजनाओं से लाभान्वित भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज दंतेवाड़ा के कटेकल्याण में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में उन्होंने 12 हितग्राहियों को विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदाय किया। इस दौरान उन्होंने कृषि विभाग अंतर्गत राजेंद्र कुमार एवं बोंगी को कृषि यंत्र, समाज कल्याण अंतर्गत सोमारू राम नेगी को बैटरी चलित ट्राइसाइकिल, महिला बाल विकास विभाग

अंतर्गत प्रेमशिला नाग को कौशल्या मातृत्व योजना के तहत 5000 रुपए का चेक, श्रम विभाग अंतर्गत लखमे मरकाम के मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत 20 हजार का चेक, पांडू कुंजाम को मेधावी छात्र छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 48 हजार का चेक प्रदान किया।

सिर से उठा पिता का साया, मुख्यमंत्री ने प्रदान किया 1 लाख की सहायता

मुख्यमंत्री बघेल ने 10 वर्षीय सुनील कवासी, निवासी जंगमपाल को मुख्यमंत्री

निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 1 लाख का चेक प्रदान किया। सुनील ने बताया की घर के इकलौते कमाने वाले उसके पिता जोगा कवासी, जो श्रम विभाग में निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीकृत थे, उनका कुछ महीने पहले ही स्वर्गवास हो गया। जिसके बाद घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ती चली गई। उसने बताया की उसकी दो बड़ी बहने है, जो अभी पढ़ रही हैं। सिर से पिता का साया छिन जाने से परिवार के सभी लोगों को भविष्य की चिंता सताने लगी। पर आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथों उन्हें मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 1 लाख का चेक प्रदान किया गया। जिससे अब उनकी भविष्य की चिंता दूर हो गई है।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने ग्राम कोड़ेनार के पोदिया को 2 लाख 21 हजार 132 रुपए, एवं सोमारु को 1 लाख 31 हजार 763 रुपए का चेक लाल पानी के मुआवजा के तहत प्रदान किया।

तुमकपाल के ग्रामीण हिरमा को 8 एकड़ वन भूमि का मिला अधिकार

वन भूमि पर बरसों से खेती या अन्य कार्य करने वाले ग्रामीणों को भूस्वामित्व नही होने से सदैव चिंता बनी रहती थी, जिसे दूर करते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ग्रामीणों को वन अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया जाना प्रारंभ किया गया। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्राम सूरनार के ग्राम समिति को 675 हेक्टेयर भूमि का सामुदायिक वन संसाधन अधिकार और तुमकपाल के हिरमा को 8 एकड़ वनभूमि का व्यक्तिगत वन अधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया। जिससे अब वे निश्चिंत होकर इस भूमि पर कृषि, मत्स्य पालन, बाड़ी विकास या अन्य कार्य कर सकेंगे।

खास खबर

मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत तालाब निर्माण के लिए स्वाधीनता सेनानियों और शहीदों के गांवों को दी जाएगी प्राथमिकता

रायपुर। वर्षा जल संरक्षण, भू-जल स्तर में वृद्धि, सिंचाई एवं मत्स्य पालन जैसे बहुआयामी उद्देश्यों को लेकर शुरू किए गए मिशन अमृत सरोवर के अंतर्गत मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) से जारी राशि या अन्य योजनाओं के अभिसरण से राज्य के प्रत्येक जिले में कम से कम 75 अमृत सरोवरों (तालाबों) के निर्माण या जीर्णोद्धार की कार्यवाही प्रारंभ हो गई है। सभी जिलों में स्थल चयन की कार्यवाही से लेकर प्रशासकीय स्वीकृति जारी करने की प्रकिया मिशन मोड में पूर्ण की जा रही है। गांवों में अमृत सरोवर के निर्माण को ऐतिहासिक बनाने इसके लिए स्थल चयन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के गांवों को प्राथमिकता दी जा रही है। राज्य मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुलहक ने बताया कि अमृत सरोवर के निर्माण के लिए सभी जिलों के कलेक्टर-सह-जिला कार्यक्रम समन्वयक को जारी दिशा-निर्देशों में यह रेखांकित किया गया है कि मिशन अमृत सरोवर में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कम से कम एक एकड़ क्षेत्रफल में बनाए जाने वाले अमृत सरोवर के लिए चिन्हांकित किए जा रहे गांवों में उन गांवों को प्राथमिकता देनी है जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी या शहीदों से संबंधित हों। मिशन में नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए स्वाधीनता सेनानियों या उनके पारिवारिक सदस्यों या आजादी के बाद शहीद हुए सैनिकों के परिजनों या पद्म पुरस्कार से सम्मानितों द्वारा अमृत सरोवर के कार्य का शुभारंभ कराया जाएगा। मनरेगा आयुक्त ने बताया कि अमृत सरोवर की आधारशिला रखने, कार्यस्थल पर नीम, पीपल, बरगद जैसी प्रजाति के वृक्षों का पौधरोपण करने एवं प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण का नेतृत्व संबंधित गांव के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी या उनके परिवार के सदस्य, शहीद के परिवार या पद्म पुरस्कार से सम्मानित स्थानीय व्यक्ति के द्वारा कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजनाः श्रमिक की पुत्री की आयु अब 21 वर्ष

रायपुर। छत्तीसगढ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के हितग्राहियों के लिए संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना में पूर्व में जारी अधिसूचना में आंशिक संशोधन किया गया है। योजना के तहत पंजीकृत निर्माण श्रमिक की पुत्री की आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष की आयु कर दी गई है। इसके पहले पंजीकृत निर्माण श्रमिक की पुत्री की आयु 18 वर्ष 6 माह तक निर्धारित थी। इस संबंध में कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

निधन

भिलाई। वाणिज्य कर विभाग कर्मी गोवर्धन प्रसाद श्रीवास(45 वर्ष)भिलाई- 3,ड्रीम सिटी के सामने, उम्दा रोड निवासी का आकस्मिक निधन 22 मई को हो गया। आज उनका अंतिम संस्कार उम्दा के मुक्तिधाम में किया गया। वे द्वारका प्रसाद श्रीवास के बड़े पुत्र, शिव कुमारी के पति, ओम प्रकाश व रामप्रसाद के बड़े भाई, हेमलता, रागिनी के पिता, दामिनी, वरुण, रूद्र श्रीवास के बड़े पापा थे।

नरवा, गरूवा, घुरूवा, बाड़ी योजना से हुई ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़, प्रदर्शनी में दिखी राज्य के विकास की झलक

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित दीनदयाल उपाध्याय आडीटोरियम में राज्य सरकार के साढ़े तीन साल की उपलब्धियों पर आधारित विकास प्रदर्शनी के तीसरे दिन महासमुन्द जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की। जनसम्पर्क विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी मे प्रदेश सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रदर्शित किया गया है। फोटो ग्राफ्स के साथ ही वीडियो के माध्यम से भी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

महासमुंद जिले के जनपद पंचायत पिथौरा, बागबाहरा, महासमुंद, बसना एवं सरायपाली के ग्राम पंचायतों के सरपंच, पंच, जनपद सदस्यों एवं बड़ी संख्या में आए पंचायत सदस्यों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जनपद पंचायत बसना की अध्यक्ष रूखमणी पटेल अपने जनपद सदस्यों के साथ प्रदर्शनी देखने पहुंची। उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साढ़े तीन साल के दौरान सुराजी गांव योजना और नरवा, गरवा, घुरवा, अऊ बारी विकास के जरिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का कार्य किया है। इन योजनाओं की बदौलत बीते वर्षों में वैश्विक महामारी कोरोना के बावजूद छत्तीसगढ़ राज्य आर्थिक मंदी से अछूता रहा। प्रदेश सरकार की गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, राजीव गांधी भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, मुख्यमंत्री हाटबाजार क्लीनिक योजना, राम वन गमन पर्यटन परिपथ, वन अधिकार मान्यता पत्र आदि योजनाओं के जरिए आम लोगों के जीवन में बदलाव आया है।

विकासखण्ड पिथौरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बड़े लोरम के सरपंच राधेश्याम बरिहा, नरसिंगपुर के सरपंच जयंती पटेल, ग्राम पंचायत सिंगारपुर सुलोचना बरिहा, ग्राम पंचायत डोंगरीपाली सरपंच कुंती कश्यप, ग्राम पंचायत गोपालपुर सरपंच प्रतिनिधि अलेख राम भोई, ग्राम पंचायत सागुनढाप सरपंच संयुक्ता भोई जनपद पंचायत बागबाहरा के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोमा की सरपंच सविता गोस्वामी, ग्राम पंचायत सोनापुरी सरपंच अवेल ठाकुर, ग्राम पंचायत भीमखोज सरपंच माखन लाल सोन, ग्राम पंचायत एम के बहरा सरपंच कमल नारायण साहू, ग्राम पंचायत बिहाझर सरपंच डुमन लाल यादव। जनपद पंचायत बसना के अंतर्गत ग्राम पंचायत चिमरकेल सरपंच गोरेलाल सिदार, ग्राम पंचायत अकोरी सरपंच रविन्द्र डडसेना, ग्राम पंचायत ठाकुरपाली सरपंच कौशिक प्रधान, ग्राम पंचायत कायथपाली सरपंच गुणमनी सिदार के अलावा मरारकसहीबाहरा के जय मां लक्ष्मी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष युगेश्वरी साहू सहित अनेक सरपंचों ने विकास प्रदर्शनी का अवलोकन किया और इसकी सराहना की।

डेनेक्स से जुड़कर आत्मनिर्भर हुई सोनम, अपने मेहनत से कमा रही पैसे

रायपुर। दंतेवाड़ा का कटेकल्याण गांव कभी छत्तीसगढ़ का बेहद ही संवेदनशील क्षेत्र माना जाता था। जनवरी 2022 में कटेकल्याण गांव में दंतेवाड़ा नेक्स्ट अर्थात डेनेक्स नाम की फैक्टरी स्थापित होने के बाद यहां सब कुछ बदल गया है। कटेकल्याण से 10 किमी दूर रहने वाली सोनम मरकाम अपने दो साल के बच्चे के साथ संयुक्त परिवार में रहती हैं। सोनम के परिवार में कुल छः सदस्य हैं लेकिन कमाने वाला सिर्फएक सोनम का पति ही था। सोनम के सिलाई का शौक था, लेकिन उसके शौक को पूरा करने के लिए कोई साधन नहीं था, ऐसे में डेनेक्स सोनम के लिए उम्मीद की ऐसी किरण बनकर आया कि जिससे अब सोनम अपने पति के सामने हाथ फैलाती नहीं है बल्कि पति के हाथ में कुछ देती है। डेनेक्स में काम करने के लिए सोनम रोजाना 10 किमी दूर से बस में बैठकर आती है और वापस जाती है। आज सोनम हर महीने 7 हजार रूपए कमा रही है। सोनम की तरह ही 100 अन्य महिलाएं भी डेनेक्स कटेकल्याण में काम कर रही हैं और आर्थिक स्वावलंबन का इतिहास रच रही हैं। जनवरी माह से लेकर अब तक डेनेक्स कटेकल्याण से 45 हजार से ज्यादा कपड़े बेंगलुरू भेजे जा चुके हैं और नए आर्डर मिलने से काम निरंतर जारी है।

छत्तीसगढ़ शासन ने सोनम जैसी महिलाओं के जोश और जुनून को देखते हुए डेनेक्स की पांचवी यूनिट को छिंदनार में खोलने की मंजूरी दे दी है ताकि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति निरंतर बढ़ती रहे और प्रदेश महिला सशक्तीकरण की दिशा में नए मुकाम को हासिल करे।

छह माह के बच्चे को स्तनपान के साथ पूरक आहार जरूरी

शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरूआती एक हजार दिन बेहद महत्वपूर्ण

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर (ए)। गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के बाद के दो साल पोषण की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान पोषण का खास ख्याल रखना अत्यावश्यक है। शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए शुरूआती एक हजार दिन यानि गर्भकाल के 270 दिन और बच्चे के जन्म के बाद दो साल (730 दिन) तक का समय बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस दौरान अगर बच्चे को पर्याप्त पोषण न मिले तो उसका पूरा जीवन चक्र प्रभावित हो सकता है। पर्याप्त पोषण से बच्चे में संक्रमण, विकलांगता व अन्य बीमारियों की संभावना कम होती है। मां और बच्चे को पर्याप्त पोषण उपलब्ध होने से बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। साथ ही इससे बच्चे के स्वस्थ जीवन की नींव भी पड़ती है।

जब शिशु छह माह अर्थात 180 दिन का हो जाता है तब स्तनपान शिशु की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं होता। इस समय बच्चा तेजी से बढ़ता है और उसे अतिरिक्त पोषण की आवश्यकता होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नवजात शिशु को स्तनपान के साथ-साथ छह माह की आयु पूरी होने के बाद पूरक आहार देना शुरू करना चाहिए, ताकि उसको पर्याप्त पोषण मिल सके। पूरक आहार को छह माह के बाद ही शुरू करना चाहिए क्योंकि यदि पहले शुरू करेंगे तो यह मां के दूध का स्थान ले लेगा जो कि पौष्टिक होता है और बच्चे के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद है। बच्चे को देर से पूरक आहार देने से उसका विकास धीमा हो जाता है या रूक जाता है। इससे बच्चे में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी होने की संभावना बढ़ जाती है और वह कुपोषित हो सकता है।

स्वास्थ्य विभाग के उप संचालक शिशु स्वास्थ्य एवं राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. वी.आर. भगत ने बताया कि स्तनपान के साथ-साथ छह माह की उम्र पर बच्चे को मसला हुआ अर्द्धठोस आहार 2-3 बड़े चम्मच दिन में 2-3 बार दिया जाना चाहिए। 7-8 माह में स्तनपान के साथ ही अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली. की कटोरी का दो-तिहाई भाग दिन में तीन बार देना चाहिए। नौ से 11 माह के शिशु को अर्द्धठोस आहार की मात्रा 250 मिली. की कटोरी का तीन-चौथाई दिन में तीन बार एवं एक-दो बार नाश्ता भी देना चाहिए।

12 से 24 माह के बच्चों को जरूरत के हिसाब से अर्द्धठोस आहार एवं घर में बनने वाला खाना 250 मिली. की पूरी कटोरी दिन में तीन बार, दो बार नाश्ता एवं स्तनपान कराया जाना चाहिए। साथ ही भोजन में चतुरंगी आहार (लाल, सफेद, हरा व पीला) जैसे गाढ़ी दाल, अनाज, हरी पत्तेदार सब्जियां, स्थानीय मौसमी फल तथा दूध व दूध से बने उत्पादों को बच्चों को खिलाना चाहिए। इनमें भोजन में पाए जाने वाले आवश्यक तत्व कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज पदार्थ, रेशे और पानी जरूर होने चाहिए।

नक्सल पीड़ित परिवारों की जिंदगी में छत्तीसगढ़ सरकार भर रही रंग

कपड़ों में रंग भरने वाली महिलाओं से की बातचीत

बंदूक उठाने वाली नक्सली महिला कपड़ों में भरेंगी रंग

नक्सल पीड़ित परिवारों के लिए आवासीय एवं व्यावसायिक परिसर कारली में स्थापित हुई नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चित्र कपड़े पर उकेरा

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान दंतेवाड़ा में नक्सल पीड़ित परिवारों के पुनर्वास हेतु निर्मित आवासीय एवं व्यावसायिक परिसर कारली पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री ने नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री में कपड़ा प्रिंटिंग यूनिट का अवलोकन किया, इस प्रिंटिंग यूनिट में नक्सल पीड़ित, आत्म समर्पित नक्सली एवं उसके परिवार की महिलाएं कपड़ो में रंग भरने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने इस दौरान प्रिंटिंग यूनिट में काम कर रही महिलाओं से बातचीत की। इन महिलाओं ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने कपड़ों में प्रिंटिंग कर दिखाया।

नक्सलियों के भय और गरीबी जीवन जीने वाली महिलाओं को अब प्रतिमाह 7000 रुपये

राज्य शासन नक्सल पीड़ित पुनर्वास नीति के तहत पीड़ित परिवारों को सभी प्रकार की सुविधाएं प्रदान की जा रही है। नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री में बनाये गए प्रिंटिंग यूनिट इन नक्सल पीड़ित परिवारों और आत्मसमर्पित नक्सलियों के जीवन मे रंग भर रही है। यहां ऐसे परिवारों की 60 महिलाएं जो कभी

नक्सलियों के डर और गरीबी का जीवन जी रही थी, उन्हें प्रिंटिंग ट्रेनिंग के बाद नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री 'डेनेक्स' की प्रिंटिंग यूनिट में प्रतिमाह 7000 रूपए से ज्यादा की आमदनी होने लगी है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जब नवा दंतेवाड़ा गारमेंट फैक्ट्री 'डेनेक्स' में बनाये गए प्रिंटिंग यूनिट में अवलोकन के लिए पहुँचे तो कार्य करने वाली महिलाएं काफी उत्साहित नजर आयी, उन्होंने ताली बजाकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का चित्र कपड़े पर उकेरकर दिखाया। मुख्यमंत्री ने महिलाओं के हुनर की तारीफ की और उनका उत्साहवर्धन करते हुए सुखद भविष्य की शुभकामनाएं दी।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर

श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधावी विद्यार्थी शिक्षा प्रोत्साहन योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित मेधावी छात्र/छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं से 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, व्यवसायिक शिक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र एवं छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इसी तरह से कक्षा दसवीं और बारहवीं में प्रवीण्य सूची के प्रथम 10वें स्थान पर आने पर पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को एक लाख रूपए की राशि प्रदान की जाती है।

श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत निर्माण श्रमिकों के 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले कक्षा 10वीं और 12वीं के बच्चों में छात्र को पांच हजार रूपए एवं छात्रा को पांच हजार 500 रूपए, समस्त स्नातक कक्षाओं में छात्र को सात हजार एवं छात्रा को सात हजार 500 रूपए वार्षिक प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर कक्षा में छात्र को 10 हजार एवं छात्रा को 10 हजार 500 रूपए एवं समस्त व्यवसायिक एवं प्रोफेसनल शिक्षा के छात्रों को 12 हजार और छात्राओं को 12 हजार 500 रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इसी तरह से छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के कक्षा 10वीं एवं 12वीं की प्रवीण्य सूची के प्रथम 10वें स्थान पर आने पर श्रमिकों के बच्चों को एक लाख रूपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। निर्माण श्रमिकों के बच्चों को व्यवसायिक पाठ्यक्रम में प्रवेश/प्रत्येक शिक्षा सत्र की प्रवेश शुल्क/ समस्त शैक्षणिक शुल्क जो शासकीय शिक्षण संस्थाओं में लागू शुल्क के बराबर हो प्रदाय करने का प्रावधान है। छात्र-छात्राओं को छात्रावास में रहने एवं भोजन पर हाने वाले व्यय की प्रतिपूर्ति छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा करने का प्रावधान है। छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष कापी-किताब एवं स्टेशनरी के लिए दो हजार रूपए पृथक से मंडल द्वारा दिया जाता है।

तुंहर सरकार तुंहर द्वारः घर बैठे ही लोगों को मिला 10 लाख स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा ड्राइविंग लायसेंस

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में प्रदेश में परिवहन विभाग द्वारा नई सुविधा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' का कुशलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इसके तहत केवल जून से मार्च माह तक एक साल से कम की अवधि में 10 लाख 01 हज़ार 07 सौ स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र और ड्राइविंग लायसेंस आवेदकों के घर भेजे जा चुके हैं। इनमें 06 लाख 66 हजार 822 स्मार्ट कार्ड आधारित पंजीयन प्रमाण-पत्र तथा 03 लाख 31 हजार 947ड्राइविंग लायसेंस शामिल हैं।

परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर द्वारा 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' के सुव्यवस्थित संचालन के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा संचालित 'तुंहर सरकार तुंहर द्वार' योजना लोगों की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें लोगों को परिवहन संबंधी 22 सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जा रही है। जन केन्द्रित इस सुविधा के अंतर्गत लोगों को अब बार-बार परिवहन विभाग का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। इससे आवेदकों के धन तथा समय दोनों की ही बचत हो रही है।

परिवहन विभाग द्वारा बताया गया है कि 'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए विभाग द्वारा एक हेल्पलाईन नम्बर +91-75808-08030 जारी किया गया है, जो सभी कार्य दिवसों में प्रात: 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक कार्य करते हुए जानकारी प्रदान करता है। आवेदक चाही गई जानकारी ई-मेल आईडी cgparivahan-dispatch@gmail.com पर भी अपनी मेल भेजकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त हेल्पलाइन नम्बर पर फोन करके आवेदक अपने ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रमाण पत्र के प्रेषण संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अभी औसतन प्रतिदिन 100 कॉल आ रहे हैं। जिसमें मुख्य रूप से ड्रायविंग लाइसेंस एवं पंजीयन प्रक्रिया, टैक्स एवं फीस संबंधी जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

भेंट-मुलाकात अभियान

तेजी से विकास की राह पर बढ़ रहा कटेकल्याण, भेंट मुलाकात में मुख्यमंत्री ने सुनी बदलते कटेकल्याण के नवाचारों की कहानी

डेनेक्स के यूनिट का किया शुभारंभ, छिंदनार के यूनिट का किया एमओयू

दिव्यांग की समस्या सुन तुरंत 50 हजार रुपए देने का लिया निर्णय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कटेकल्याण में भेंट मुलाकात के कार्यक्रम के लिए पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को यहां के ग्रामीणों ने अपने नवाचारों के बारे में बताया। मुख्यमंत्री इससे बहुत खुश हुए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं वनांचल में रहने वाले लोगों के प्रभावी विकास के लिए बनाई गई है। इसका असर दिख रहा है। जिस तरह से कटेकल्याण में आजीविकामूलक गतिविधि चल रही है उससे इस क्षेत्र के तेजी से आर्थिक विकास को लेकर हम सब आश्वस्त हैं।

मुख्यमंत्री ने आज अपने दौरे में डेनेक्स के नये यूनिट का शुभारंभ किया। इस मौके पर डेनेक्स के पांचवे यूनिट छिंदनार का एमओयू भी हुआ। यह एमओयू डेनेक्स एफ्पीओ और एक्सपोर्ट हाउस तिरुपुर के बीच हुआ। मुख्यमंत्री से इस मौके पर डेनेक्स की महिलाओं ने आटोग्राफभी लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सांसद दीपक बैज को एक शर्ट भी भेंट की। साथ ही उन्होंने ढेंकी चावल भी देखा। उन्होंने परंपरागत तरीकों के उपयोग को बढ़ावा देने की कोशिशों पर प्रसन्नता व्यक्त की। भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में फीडबैक भी लोगों से लिया। उन्होंने पूछा कि राशन समय पर मिल रहा है या नहीं। सभी ग्रामीणों ने कहा कि हां यह समय पर मिल रहा है। शेष सभी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की जानकारी ग्रामीणों ने दी।

मां दंतेश्वरी का दर्शन कर 67 देवगुड़ियों का किया लोकार्पण- मुख्यमंत्री ने कटेकल्याण में विराजित मां दंतेश्वरी की पूजा अर्चना भी की तथा यहां 143 देवगुड़ियों का लोकापर्ण किया। इस मौके पर उपस्थित गायता, पुजारी, मांझी ने 7 हजार रुपए मानदेय दिये जाने पर मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि बस्तर में भेंट मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री लगातार देवगुड़ियों का लोकार्पण कर रहे हैं।

इंग्लैंड में बेच रहीं महुआ, अब इंग्लैंड घूमने जाएंगी- पार्वती ने मुख्यमंत्री से कहा कि वनोपजों के उचित मूल्य दिलाने की आपकी योजना से हम सबको बड़ा लाभ मिला है। दंतेवाड़ा जिले में समूहों ने चालीस हजार क्विंटल महुआ बेचा है और इसका अच्छा रेट मिला है। उन्होंने बताया कि उनका महुआ इंग्लैंड भी जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या बात है। बहुत अच्छा काम हुआ है। तुम्हें भी घूमने इंग्लैंड भेजेंगे।

आईआईटी में चयनित श्यामली ने जताया फ्री कोचिंग के लिए आभार- श्यामली ने मुख्यमंत्री से कहा कि शासन की योजना से मुझे फ्री कोचिंग मिली। मेरा चयन आईआईटी में हुआ है। मेहनत करने वाले प्रतिभाशाली बच्चों को शासन जिस तरह से मदद दे रहा है उससे हम सबको अपनी मंजिल मिल रही है। मुख्यमंत्री ने श्यामली को बधाई दी। इसी प्रकार एक दिव्यांग ने कहा कि मुझे आगे बढ़ना है लेकिन धन की कमी आड़े आ रही है। मुख्यमंत्री ने उन्हें उद्यम के लिए पचास हजार रुपए देने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं- मुख्यमंत्री ने कटेकल्याण में बिजली सबस्टेशन की बड़ी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने कटेकल्याण में मिनी स्टेडियम, आश्रित गांव मोखपाल में मंगल भवन, लखारास में एनीकट और कुआकोंडा में पोस्ट मैट्रिक छात्रावास खोलने की घोषणा भी की। इसके साथ ही उन्होंने कटेकल्याण में दंतेश्वरी तालाब के सौंदर्यीकरण की घोषणा भी की।

मेधावी छात्र छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना से संभव हुई मनीषा की नर्सिंग की पढ़ाई

जीवन में कुछ कर गुजरने की ललक के साथ कटेकल्याण की मनीषा जायसवाल ने नर्सिंग की पढ़ाई करने की ठानी, किंतु परिवार में आर्थिक तंगी उसके सुंदर भविष्य की राह रोक खड़ी थी। श्रम विभाग अंतर्गत संचालित मेधावी छात्र छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत प्राप्त राशि से मनीषा आज अपनी नर्सिंग की पढ़ाई पूरी कर रही है। अपने सपने को पूरा करने की राह पर अग्रसर मनीषा ने इसका श्रेय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को दिया है। भेंट मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान मनीषा ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति सही नही होने के कारण, मनीषा की नर्सिंग की पढ़ाई, मात्र सपना बनकर रह गई थी। उसके जीवन में बदलाव की बयार आई जब उसे मेधावी शिक्षा प्रोत्साहन योजना का लाभ मिला। मनीषा को अब तक 93 हजार रुपए प्रदान हो चुके हैं। जिससे वो अपनी नर्सिंग की पढ़ाई पूरी कर रही है। शुरुआत से ही पढ़ाई के क्षेत्र में उम्दा रहीं मनीषा को मेडिकल क्षेत्र में आगे की पढ़ाई करनी थी। पिता रोजी मजदूरी कर, कड़ी मेहनत से दो वक्त की रोटी जुटा पाते थे। ऐसे में मनीषा के लिए नर्सिंग की महंगी पढ़ाई करना असंभव था। जब श्रम विभाग के अंतर्गत उनके पिता महेश जायसवाल का पंजीयन राजमिस्त्री प्रवर्ग में हुआ। तब मनीषा को मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत पढ़ाई हेतु सहायता राशि प्रदान होने लगी। आज मनीषा ने नम आंखों से बताया की शासन की योजना के चलते ही वह इस काबिल बन पाएगी कि एक सफल नर्स बनकर मुख्यमंत्री का मान बढ़ा सके।

बत्तीसा मंदिर में मुख्यमंत्री ने किये भगवान शिव के दर्शन, दो गर्भगृह हैं मंदिर में

तेरहवीं शताब्दी का है मंदिर, श्रीयंत्र के आकार में बनी है मंदिर की जलहरी, 32 स्तंभ होने के कारण कहते हैं बत्तीसा मंदिर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारसूर तालाबों और मंदिरों की पौराणिक नगरी हैं। इस पौराणिक नगरी के बत्तीसा मंदिर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भगवान शिव के दर्शन किये। यह अद्भुत मंदिर अपने शानदार स्थापत्य के लिए चर्चित रहा है। मंदिर के पुजारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि यह तेरहवीं शताब्दी का मंदिर है और इसका निर्माण नागवंशी शासक सोमेश्वर देव ने कराया था। इसकी जलहरी श्रीयंत्र आकार की है। मंदिर में दो गर्भगृह हैं और काले ग्रेनाइट पत्थर की बनी इकलौती जलहरी हैं। बत्तीस स्तंभों का मंदिर होने के कारण इसे बत्तीसा मंदिर कहा गया है।

समर कैंप और उपचारात्मक शिक्षा से बच्चों में छुपी प्रतिभाओं का हो रहा विकास

बच्चों ने मुख्यमंत्री को भेंट की सुन्दर कलाकृतियों से सजी मुख्यमंत्री की तस्वीर और तुम्बा आर्ट की कृति

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से भेंट मुलाकात के दौरान शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गीदम की कक्षा 11 वीं की छात्रा कुमारी सृष्टि साह ने मुख्यमंत्री को बताया कि आपके प्रयास से हमारे जिले की ग्राम पंचायतों में समर कैंप एवं उपचारात्मक शिक्षा का आयोजन हो रहा है। इसका उद्देश्य कोरोना संकट में स्कूल बंद होने के कारण जो बच्चे शिक्षण कार्य से पिछड़ गए उन्हें इन समर कैंप के माध्यम से फिर से शिक्षा की मूल धारा से जोड़ना है। बच्चों को समर कैम्प एवं उपचारात्मक शिक्षण के माध्यम से शिक्षा एवं नवाचार से जोड़ने के लिए विभिन्न गतिविधियां जैसे गायन, वादन, नृत्य, चित्रकारी, मिटटी के खिलौने बनाना, रंगोली बनाना, पेटिंग, मेहंदी लगाना, छिन्द तथा ताड़ के पत्तों से विभिन्न कलाकृतियां बनाना एवं विभिन्न प्रकार के खेलों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है । जिससे बच्चों में बौद्धिक, शारीरिक एवं मानसिक विकास होगा।

जिले के विभिन्न समर कैम्प से आये बच्चों ने मुख्यमंत्री को सुंदर कलाकृतियों से सुसज्जित मुख्यमंत्री की तस्वीर, बांस शिल्प से बनी टोकरी और तुम्बा(लौकी) आर्ट से बनी कृति भेंट की। मुख्यमंत्री ने बच्चों को उनके इस भेंट के लिये धन्यवाद दिया और इन नवाचारों के लिए उनका उत्साह वर्धन भी किया ।

जिन हिंसक हाथों ने तोड़ा था स्कूल, अब वहीं हाथ नौनिहालों का भविष्य संवारने आगे आए

आत्मसमर्पित नक्सली अनिल कुंजाम ने मुख्यमंत्री को बतायी दास्तां जिस स्कूल को तोड़ा उसे ही बनाने में किया सहयोग

नक्सलियों द्वारा ध्वस्त किए गए भांसी-मासापारा स्कूल का फिर से बन गया नया भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिन हिंसक हाथों ने कभी स्कूल भवन तोड़ दिए थे, आज वही हाथ बच्चों का भविष्य संवारने के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से आज दंतेवाड़ा जिले के बारसूर में भेंट-मुलाकात के दौरान आत्मसमर्पित नक्सली अनिल कुंजाम ने मुलाकात की। उन्होंने बताया कि भांसी-मासापारा में वर्ष 2015 में नक्सलियों द्वारा यह स्कूल ध्वस्त कर दिया गया था। शासन की पहल से अब यहां नया स्कूल भवन बन चुका है और उसे बनाने में हम सब ने सहयोग किया है। अनिल कुंजाम ने बताया कि अब वह काम करना चाहता है और बच्चों को शिक्षित करना चाहता है ताकि अज्ञानता की वजह से कोई हिंसा के रास्ता न अपनाएं। गौरतलब है कि नक्सलियों ने सात साल पूर्व 2015 में मासापारा स्कूल को ध्वस्त कर दिया था, जिससे बच्चों के शिक्षा का ठौर छिन गया था। छत्तीसगढ़ शासन की विशेष पहल पर फिर से नए स्कूल भवन का निर्माण हुआ और अब वहां बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे है। यहां यह उल्लेखनीय है कि लोन वर्राटू योजना के तहत हिंसा के रास्ते को छोड़कर मुख्य धारा में शामिल हुए नक्सली शंकर कुंजाम और अनिल कुंजाम को शासन की पुनर्वास योजना का लाभ, रोजगार के साथ ही अन्य सुविधाएं भी मिली है। तब उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि उनके द्वारा स्कूल तोड़ने से गांव के बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो गया है। जिला प्रशासन द्वारा जब स्कूल का पुनः निर्माण प्रारंभ करवाया तो आत्मसमर्पित नक्सली अनिल कुंजाम और शंकर कुंजाम ने मासापुर के स्कूल के निर्माण में बढ़-चढ़कर सहयोग किया। मासापारा स्कूल के नए भवन में लगभग सात साल बाद बच्चों के ककहरा पढ़ने की फिर से गूंज सुनायी देने लगी है। पालकों के मन में अपने बच्चों के भविष्य को लेकर नई उम्मीद जगी है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सल प्रभावित अंदरुनी इलाकों में नक्सल गतिविधियों के चलते बंद स्कूलों को फिर से शुरू करने का विशेष प्रयास बीते तीन सालों से किया जा रहा है, जिसका सुखद परिणाम यह है कि बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा जिले में बंद स्कूल फिर से संचालित होने लगे है। स्कूल निर्माण से लेकर वहां के अध्यापन व्यवस्था में स्थानीय युवा अपनी भागीदारी निभाने लगे है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्लास्टिक की बोतल से पीते हैं पानी तो हो जाएं सावधान

आज कल लोगों में प्लास्टिक की बोतल से पानी पीने का चलन काफी ज्यादा बढ़ गया है। लंबा सफर करना हो या फिर पानी पीने की ज्यादा आदत के कारण प्लास्टिक की बोतल हमेशा बैग में रखी मिल जाती है। लेकिन दोस्तों प्लास्टिक की बोतल का प्रयोग करना स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत ही ही हानिकारक है। अगर आप प्लास्टिक के बोतल से पानी पीते हैं, तो इसके कारण कैंसर, डायबिटीज, हृदय रोग, गर्भवती मां और बच्चे को खतरे के अलावा कई दूसरी खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं।

अगर आप बेरोक-टोंक के प्लास्टिक की बोतल का प्रयोग करते हैं तो इस बात को जान लीजिये कि प्लास्टिक की बोतल में कई नुकसानदेह केमिकल होते हैं जो गर्म होने पर रिसकर पानी में मिल जाते हैं।

पानी के रास्ते ये खतरनाक केमिकल हमारे शरीर में पहुंचकर शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए अगर आप पानी पीने के लिए प्लास्टिक की बोतल का प्रयोग करते हैं तो अभी से इनका प्रयोग बंद कर दीजिए।

कैंसर हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के शोध के अनुसार, प्लास्टिक के बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकता है। प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह केमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है

दिमाग की कमजोरी प्लासिटक की बोतल में प्रयोग की जोन वाली बाइसफेनोल ए के कारण दिमाग के कार्यकलाप प्रभावित होते हैं। इसके कारण इंसान की समझने और याद रखने की शक्ति कम होने लगती है।

कब्ज और पेट में गैस दरअसल प्लास्टिक की बोतल को बनाने के लिए प्रयोग किये जाने वाले बाइसफेनोल ए के कारण पेट पर भी बुरा असर पड़ता है। बीपीए नामक रसायन जब पेट में पहुंचता है तब इसके कारण पाचन क्रिया भी प्रभावित होती है। इससे खाना भी अच्छे से नहीं पचता और कब्ज और पेट में गैस की समस्या भी हो सकती है।

बच्चे में हो सकता है जन्म दोष बोतल को बनाने वाला कैमिकल भ्रूण में गुणसूत्र असामान्यताएं पैदा कर सकता है जिससे बच्चे में जन्म दोष हो सकता है। अगर बोतल के पानी का नियमित सेवन गर्भावस्था में किया गया तो पैदा होने वाले शिशु को आगे चल कर प्रोस्ट्रेट कैंसर या ब्रेस्ट कैंसर तक हो सकता है।

पेट की बीमारी अगर आपकी बोतल महीनों से नहीं धुली है और बार-बार उसमें पानी भर कर पी रहे हैं, तो आपको पेट की समस्या आराम से हो सकती है क्योंकि उसमें बैक्टीरिया का घर बन जाता है।

गर्भपात होने का खतरा वे महिलाएं जिन्हें प्रेगनेंट होने में परेशानी उठानी पड़ी है या जिनका पहले भी एक बार मिसकैरेज हो चुका है उन्हें प्लास्टिक की बोतल से ज्यादा पानी नहीं पीना चाहिये। यह पुरुषों में स्पर्म काउंट भी कम करता है। ना करें लो चालिटी प्लास्टिक की बोतल का प्रयोग कई लोग पैसे बचाने के चक्कर में सड़क किनारे बिक रही सस्ती प्लास्टिक की बोतल खरीद लेंगे। ऐसा ना करें क्योंकि इन बोतलों को बनाने में रसायन का पयोग होता है जो गरम होने के बाद इस रसायन को पानी में छोड़ देती हैं।

पेट की गडबडी के कारण व निवारण

पेट में गडबडी आम समस्या है, जिसके अलग-अलग कारण हो सकते हैं। क्यों ना इसका तुरंत समाधान कर चुस्त रहा जाए महिलाएं पेट की गडबडी की अधिक शिकार होती हैं। इसके कुछ कारण तो बहुत सामान्य होते हैं, पर कुछ ऐसे भी होते हैं, जिनके बारे में ज्यादा मालूम नही होता, इसलिए उस ओर हमारा ध्यान भी नही जाता। कौन से हैं ये कारण, इस बारे में एक जानकारी। हारमोन कई महिलाएं माहवारी शुरू होने से पहले पेट में भारीपन, कब्ज और अतिसार की शिकायत करती हैं। माहवारी के शुरू होते ही स्थिति में अचानक बदलाव आता है और यह समस्या अपने आप दूर हो जाती है। सन डियागो में गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ के अध्ययनो से पता चलता है कि एस्ट्रोजन हारमोन नसों के तंतुओं को प्रेरित कर आंतो से गुजरने वाले मल की गति को बढा देता है। इसी तरह माहवारी के पहले और माहवारी के दौरान पेट का फूलना एक आम समस्या है। इसका कारण प्रोजस्ट्रॉन हारमोन के स्तर में बदलाव आना है, जो गुर्दे के लिए पानी और नमक को रोककर रखने का संकेत हो सकता है। गर्भवती महिलाओं में पेट की गडबडी, खासतौर से खट्टी डकारें आने की समस्या अधिक होती है। अमेरिकन गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार 30 से 50 प्रतिशत गर्भवती महिलाएं इस समस्या की शिकार होती है। इसका कारण हारमोनल और शारीरिक बदलाव होता है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि कैल्शियम सप्लीमेंट लेने से पेट के फूले होने और प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम के अन्य लक्षणों में सुधार हो सकता है। इसके साथ ही पानी भी अधिक मात्रा में पिएं। खट्टी डकारें खासतौर से गर्भावस्था में से छुटकारा पाने के लिए रात को सिर के नीचे कई तकिए लगा कर सोएं। सिट्रस, पिपरमिंट, मिर्च-मसालेदार या फिर टमाटर से बनी चीजें खाने से परहेज करे, क्योंकि ये इस समस्या को बढावा देती हैं।

कुछ हिदायतें अधिक मात्रा में अतिसार निरोधक दवाईयों का सेवन

अगर अतिसार फूड पॉइजनिंग या ट्रेवलर्स डाइरिया लंबे सफर की वजह से होनवाला डाइरिया के पैरासाइट की वजह से हुआ है, तो डॉक्टर कभी एकदम से अतिसार को बंद करने की दवा नहीं देते। इससे वह पैरासाइट आंत में फंसा रह सकता है और समस्या को बढा सकता है। अगर आप इस तरह की कोई दवा या फिर कोई दूसरी पेट की दवा इसके लिए डाक्टर की सलाह के बिना खा रहे हैं, तो बहुत बडी समस्या को बुलावा दे रहें हैं।

रेशे का सेवन

पर्याप्त मात्रा में रेशेदार खाद्य पदार्थ खाने से कब्ज नहीं होती। रेशेदार पदार्थ के साथ पर्याप्त मात्रा में पानी ना पिया जाए तो पेट में गैस बनने और पेट के फूलने की समस्या हो सकती है। इसलिए रेशे को खाने की मात्रा थोडी-थोडी करके बढाएं और साथ ही खूब पानी भी पिएं।

डाक्टर के पास कब जाएं खट्टी डकारें आने पर

दर्द इतना ज्यादा हो कि आप सो ना सकें या फिर निगलने में परेशानी हो, छाती में दर्द हो और सांस लेने में कठिनाई हो, या फिर व्यायाम के दौरान ये लक्षण और भी बिगड जाएं, तो तुरंत अपने डाक्टर से मिले। जीवनशैली में बदलाव लाने या दूसरे तरीके अपनाने के बावजूद यह समस्या बनी रहे और इलाज ना कराया जाए, तो बार-बार खट्टी डकारें आने से कैंसर से पूर्व की स्थितियां बन जाती है।

कब्ज या अतिसार

अगर 3 दिन से अधिक समय तक दिन में 3 या उससे अधिक बार अतिसार हो या फिर 3 से अधिक बार मल त्यागने में कठिनाई आए और दवाएं भी असर ना दिखाएं। इसके साथ ही पेट में तेज दर्द हो, मल में से खून आए, 102 डिग्री फॉरेनहाइट या उससे अधिक बुखार हो, साथ में एनर्जी लेवल कम हो जाए, तो तुरंत दोबारा डॉक्टर से मिलें। पेट में भारीपन या गैस का बनना- खाने-पीने की चीजों में बदलाव लाने के बावजूद इन लक्षणों में सुधार ना हो या फिर साथ में उल्टी या उबकाई आए, पेट या रेक्टम मलाशय में दर्द हो या फिर बिना किसी वजह से वजन कम हो, तो डाक्टर के पास जाएं।

घरेलू इलाज

कब्ज होने पर-फाइबरयुक्त चीजें जैसे चोकर युक्त आटा, अमरूद, नाशपाती, सेब और केला खाएं। 1 से 2 चम्मच ईसबगोल की भूसी रात में सोते समय गर्म दूध के साथ लें। पेट की जलन-अजवाइन और नमक पीसकर उसकी फंकी लेने से पेट की जलन शांत होती है। धनिया और शक्कर का शरबत बना कर पीने से पेट की जलन में आराम मिलता है।

वर्ल्ड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्री यानी के ऐशवर्या राय ने जितनी सुंदर है साथ ही वे एक परफेक्ट हाउस वाइफ भी है। यह हाल में सिद्ध भी हो चुका है। ऐश एक एक्ट्रस होने के साथ अच्छी पत्नी, बहू और बेस्ट मां भी हैं।

तनाव वास्तव में हमारे पेट में एक अलग से नर्वस सिस्टम तंत्रिका तंत्र होता है, जो लाखों-करोडों नर्व कोशिकाओं से मिलकर बना होता है। न्यूयार्क की कोलंबिया युनिवर्सिटी के न्यूरोगैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट और द सेकेंड ब्रेन के लेखक डॉ के अनुसार जब हम तनावग्रस्त होते हैं, तो दिमाग हमारे पेट को एसिड अधिक बनाने और आंतो के सिकुडने के काम में तेजी लाने संबंधी सिगनल भेजता है, जिससे खट्टी डकारें आती हैं, मरोड उठते हैंऔर अतिसार पेचिश हो जाता है। हमारा शरीर भी कुछ ऐसे हारमोन और रसायन पैदा करता है, जिससे हमारी पाचन क्रिया प्रणाली सुस्त या फिर ज्यादा सक्रिय हो जाती है। वास्तव में दिमाग और पेट के बीच इतना जबर्दस्त संबंध होता है कि जीवन मे तनावपूर्ण लम्हों जैसा तलाक या परिवार में किसी की मौत का असर प्राय: पेट की गडबडियों के रूप में देखने को मिलता है। शरीर का 95 प्रतिशत सेरोटोनिन एक ऐसा न्यूरोट्रांसमीटर जिसका संबंध उत्तेजना और अवसाद से है पेट में बनता है। यही वजह है कि एंटीडिप्रेसेंट दवाएं, जो सेरोटोनिन के स्तर को प्रभावित करती हैं, गंभीर पाचन संबंधी रोगों में मददगार हो सकती हैं।

इलाज क्या हो रोज कम से कम 15 मिनट अपने को रिलेक्स करने के लिए निकालें। चाहें तो इस समय में अपनी किसी सहेली से बात क रें, अपनी मनपसंद पत्रिका पुस्तक पढें या फिर तेज चले। योग करें या ध्यान लगाएं। ऐसी सेहतमंद डाइट लें, जिसमे रेशे पर्याप्त मात्रा में हों। किसी भी तरह का व्यायाम तनाव को कम करने में सहायक होता है। दवाएं खाने से कुछ दवाएं खाने से भी पेट में गडबडी हो सकती है। हाइपर टेंशन और दिल की बीमारी की कुछ दवाएं लेने से आंतो के सामान्य रूप से संकुचन की प्रक्रिया धीमी पड जाती है। इसी तरह कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने से भी गेस्ट्रोइन्टेस्टाइनल ट्रेक सुस्त पड जाता है। आर्थराइटिस की कुछ दवाएं आंतो को प्रेरित कर देती हैं। जिससे अतिसार हो जाता है। इसी तरह एंटीबायोटिक्स खाने से भी समस्या हो सकती है। इनसे पेट में अच्छे और बुरे बैक्टीरिया के बीच असंतुलन कायम हो सकता है। इलाज क्या हो डॉक्टर से उस हिसाब से दवा की मात्रा घटाने-बढाने या फिर उसकी जगह कोई दूसरी दवा देने के लिए कहें। प्रोबोटिक दही जिसमें अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, खाने से भी लाभ होता है।

खाद्य पदार्थो के प्रति एलर्जी बहुत की कम लोगों को खाने-पीने की चीजों से एलर्जी होती है। लेकिन कई लोग कुछ चीजें खा नही पाते है, जिसकी वजह से पेट में गडबडी के शिकार हो जाते हैं। कुछ लोगों को डेरी उत्पाद में लेक्टोज और कुछ को फलों में फ्रक्टोज से शिकयत होती है। दूध और सोया सहित बींस खाने से गैस की समस्या हो सकती है। इसी तरह आलू और मक्का भी मुश्किल का कारण बनते हैं।

इलाज क्या हो जिस चीज को खाने से परेशानी होती है, उन्हें खाने से परहेज करना चाहिए। लेकिन ये चीजें कौनसी है, उसके बारे में पता लगाना थोडा मुश्किल काम है। ऐसा भी हो सकता है कि इस बारे में पता ही ना हो कि किस चीज को पचा पाते हैं। खाने की कौन सी चीज नुकसान पहुंचा रही है, इस बारे में पता लगाने के लिए डॉक्टर भोजन में से कुछ चीजों को बदल-बदल कर खाने की हिदायत देते हैं। हम स्वयं भी इसका पता लगाने की कोशिश कर सकते हैं। इसके लिए भोजन में शामिल की गयी चीजें और उसे खाने के बाद होने वाली समस्या या फिर उसके लक्षणों को एक डायरी मे हर बार लिखना होगा। इस प्रक्रिया को अपनाने से कुछ सतहों के बाद उस चीज का पता लग जाता है, जो वाकई हमारे पेट में गडबड का कारण बनती है।

आदित्य नारायण ने 3 महीने पूरे होने पर बेटी की पहली झलक दिखाई, नाम का खुलासा भी किया

सिंगर और टीवी होस्ट आदित्य नारायण की बेटी की पहली फोटो सामने आ गई है। आदित्य ने खुद अपनी बेटी की थर्ड मंथ एनिवर्सरी से एक दिन पहले ही उसकी एक प्यारी सी फोटो फैंस के साथ शेयर की है। सिंगर की वाइफश्वेता अग्रवाल ने 3 महीने पहले 24 फरवरी 2022 को बेटी को जन्म दिया था। अब जाकर कपल ने फैंस को अपनी बच्ची का चेहरा दिखाया है। पोस्ट में आदित्य ने बेटी के नाम का खुलासा भी किया है।

हमारी प्यारी एंजल त्विषा नारायण झा से मिलिए

आदित्य नारायण ने बेटी के साथ हाल ही में फोटोशूट करवाया है। इसी फोटोशूट की एक फोटो शेयर कर आदित्य ने कैप्शन में लिखा, बेटी 3 महीने की हो जाएगी। मिलिए हमारी प्यारी एंजल त्विषा नारायण झा से। बता दें कि त्विषा नाम का मतलब रोशनी और चमक होता है। इस फोटो के अलावा भी आदित्य ने फोटोशूट से कई तस्वीरें शेयर की हैं।

फोटो पर फैंस और सेलेब्स ने जमकर प्यार बरसाया

आदित्य की बेटी की यह फोटो काफी वायरल भी हो रही है। फैंस समेत कई सेलेब्स भी त्विषा की क्यूटनेस पर दिल हार बैठे हैं और कमेंट कर जमकर प्यार बरसा रहे हैं। आदित्य के साथ 'इंडियन आइडल-12' में नजर आ रहे जज और कंपोजर-सिंगर विशाल ददलानी ने कमेंट कर लिखा, बस यही सबकुछ है। पैरों का आशीर्वाद लेकर शो शुरू करते हैं।

2020 में हुई थी आदित्य-श्वेता की शादी

मार्च 2022 में जब आदित्य नारायण ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ चेट सेशन रखा था, तो फैंस ने उनसे बेटी को लेकर काफी सवाल पूछे थे। यह पूछे जाने पर कि बेटी की झलक कब दिखाएंगे तो आदित्य नारायण ने कहा था कि इसके लिए उन्हें बिटिया की मम्मी से परमिशन लेनी पड़ेगी। तब आदित्य ने कहा था कि वह 40 दिन तक बेटी की फोटो नहीं दिखा पाएंगे। आदित्य नारायण और श्वेता अग्रवाल ने 2020 में 1 दिसबंर को शादी की थी। दोनों की पहली मुलाकात फिल्म 'शापित' के सेट पर हुई थी। आदित्य ने कुछ साल तक अपने रिलेशनशिप को छिपाकर रखा था। शादी से कुछ महीने पहले ही आदित्य और श्वेता ने अपना रिलेशन ऑफिशियल किया था।

दीपिका चिखलिया ने किया ट्रोलिंग पर रिएक्ट, बोलीं- मैं कभी अपने फैंस का दिल दुखाना नहीं चाहती

'रामायण' में सीता का रोल प्ले करने वाली दीपिका चिखलिया हाल ही में ट्रोलिंग का शिकार हुईं। दरअसल एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर स्कूल युनिफॉर्म में फोटो पोस्ट की थी। हालांकि बाद में दीपिका ने ट्रोल होने के बाद यह पोस्ट डिलीट कर दी। ट्रोल्स पर रिएक्ट करते हुए दीपिका ने एक इंटरव्यू में फोटो डिलीट करने का रीजन बताया।

दीपिका ने एक मीडिया इंटरव्यू में बताया, मैं कभी अपने फैंस का दिल दुखाना नहीं चाहती। मुझे ट्रोल होने पर बहुत खराब लग रहा है। मुझे अपने फैंस की फीलिंग्स को हर्ट करके खराब लग रहा है। मुझे पता है कि लोग मुझे दीपिका के रूप में नहीं बल्कि सीता के रूप में देखते हैं। मुझे बाद में एहसास हुआ की लोग इससे नाराज हो गए हैं। इसलिए मैंने पोस्ट डिलीट कर दी। वैसे भी दुनिया में इतना सब हो रहा है, बेकार में एक और मुद्दा क्यों खड़ा करना?

दीपिका ने अपनी गलती मानते हुए कहा, मैंने जो किया मैं उसको जस्टिफाई नहीं कर रहीं हूं। मैं साफ कह रही हूं कि मेरी तरफ से यह एक गलती थी। मैं शराब नहीं पी रही थी। यह मेरी दोस्तों के साथ एक छोटा सा गैट-टुगेदर था।

'रामायण' में किया था सीता मां का रोल प्ले

पोस्ट में दीपिका ने व्हाइट शर्ट और स्कर्ट के साथ टाई पहने अपनी दोस्तों के साथ फोटो क्लिक करवाई थी। फोटो में दीपिका के हाथ में एक ग्लास नजर आ रहा था। पोस्ट शेयर करने के थोड़ी ही देर में लोगों ने उन्हें क्रिटिसाइज करना शुरू कर दिया। यूजर्स बोले की लोग उन्हें सीता मां के रूप में देखते हैं।

बता दें, दीपिका ने रामानंद सागर की 'रामायण' में सीता का रोल प्ले किया था। 'रामायण' दूरदर्शन पर 1987 में प्रसारित की गई थी। लॉकडाउन के समय 2020 में इसे फिर से डीडी नेशनल पर ब्रॉडकास्ट किया गया था।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

खास खबर

प्रधानमंत्री ने आशा कार्यकर्ताओं की पूरी टीम को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक का ग्लोबल हेल्थ लीडर्स पुरस्कार प्राप्त पर प्रसन्नता व्यक्त की

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य संगठन(डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक का ग्लोबल हेल्थ लीडर्स पुरस्कार प्राप्त करने वाली आशा कार्यकर्ताओं की पूरी टीम के लिए अपनी प्रसन्नता जताई है। श्री मोदी ने कहा कि स्वस्थ भारत सुनिश्चित करने में आशा कार्यकर्ता सबसे आगे हैं और उनका समर्पण और दृढ़ संकल्प सराहनीय है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ट्वीट की प्रतिक्रिया में प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट में कहा, अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आशा कार्यकर्ताओं की पूरी टीम को डब्ल्यूएचओ महानिदेशक के ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया है। सभी आशा कार्यकर्ताओं को बधाई। एक स्वस्थ भारत सुनिश्चित करने में वह सबसे आगे हैं। उनका समर्पण और दृढ़ संकल्प सराहनीय है।

प्रधानमंत्री ने भारत और जापान के बीच जीवंत संबंधों पर एक लेख लिखा

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक स्थानीय जापानी अखबार में एक लेख लिखा है। श्री मोदी जापान के आधिकारिक दौरे पर हैं। इस अवसर पर अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा- भारत और जापान के बीच जीवंत संबंधों पर एक लेख लिखा है। शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए हमारी एक साझेदारी है। 70 गौरवशाली वर्षों को पूर्ण करने वाली हमारी इस विशेष मित्रता की यात्रा को और परिपुष्ट बनाने के लिए मैं भी इसका अनुगमन करता हूं। कोविड के पश्चात दुनिया में भारत-जापान सहयोग महत्वपूर्ण है। हमारे राष्ट्र लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम दोनों स्थिर एवं सुरक्षित हिंद-प्रशांत के अहम स्तंभ हैं। मुझे प्रसन्नता है कि हम विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भी साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। मुझे गुजरात का मुख्यमंत्री होने के दिनों से ही जापान के लोगों के साथ नियमित रूप से संवाद करने का अवसर मिलता रहा है। जापान की विकासात्मक प्रवृत्ति हमेशा प्रशंसनीय रही है। जापान बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, नवोन्मेष, स्टार्ट-अप सहित कई अहम क्षेत्रों में भारत के साथ भागीदारी कर रहा है।

नागरिकों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराना हमारा दायित्वः विधायक वोरा

पेंशन से संबंधित प्रकरण का मौके पर ही निराकरण बुजुर्गों के चेहरे खिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। आम नागरिको को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने व उनकी समस्याओ के निराकरण के लिए नगर निगम दुर्ग द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसी परिपेक्ष्य में बम्लेश्वरी गार्डन वार्ड क्रमांक - 24 में समाधान शिविर का आयोजन हुआ। इस अवसर पर नए राशन कार्ड धारियों को विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल एवम उपस्थित जन प्रतिनिधियों के द्वारा मौके पर ही अपने हातो से हितग्राहियों को वितरित किया एवम इस अवसर पर उन्होंने शासन के द्वारा निर्धारित 13 अन्य बिन्दुओ के योजनाओं के बारे में बताया। इस शिविर में निराश्रित पेंशन, आबादी पट्टा, आवास योजना, साफ-सफाई व्यवस्था विद्युत व्यवस्था के साथ ही अन्य समस्याओं का समाधान इस शिविर के माध्यम से किये जाने की जानकारियां दी गई। शिविर स्थल में समस्याओं को लेकर लोगो का संबंधित विभाग के अधिकारियों ने मार्ग दर्शन किया एवम त्वरित निराकरण की पहल की गई। इसमें नवीन राशन कार्ड बनाने व लंबित निराश्रित पेंशनो का जिसमे हितग्राहियों के खाते में पैसा भेजने की जानकारी देने के साथ ही मौके पर आवेदन पत्र का निपटारा किया गया। शिविर में विधायक अरूण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल राज्य राज्य पिछडा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, एमआईसी सदस्य सत्यवती वर्मा, संजय कोहले, मनदीप सिंह भाटिया पार्षद राजकुमार नारायणी, नरेश तेजवानी, मीना सिंग सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा वार्ड के नागरिको का मार्ग दर्शन किया। शिविर के नोडल अधिकारी के जानकारी के अनुसार समस्याओ के निराकरण के लिए आज कुल 98 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमे मांग हेतु 93 एवं समस्या से संबंधित 5 आवेदन, प्राप्त हुए। जिसमें से आबादी पट्टा के लिए 36 तथा पेयजल व साफ-सफाई तथा पेंशन संबंधित 7 आवेदन पत्रो का मौके पर ही खाते में पैसा जमा होने की जानकारी देकर आवेदनो का निराकरण किया गया प्राप्त आवेदनो में जो आबादी पट्टा से संबंधित आवेदनो को संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई है। नये राशन कार्ड हेतु 17 आवेदनों को खाद्य विभाग को प्रेषित किया गया। 24 मई 2022 को वार्ड क्रमांक 27, 28 एवं 29 के नागरिको की समस्या के समाधान के लिए शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर यादव छात्रावास पचरीपारा वार्ड क्रमांक - 28 में आयोजित है।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में 831 बच्चों का किया गया उपचार

शत-प्रतिशत कुपोषण मुक्त हो बलरामपुर जिला- विधायक बृहस्पत सिंह

जिला प्रशासन द्वारा भोजन तथा आने-जाने हेतु वाहन की व्यवस्था की गई थी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिला चिकित्सालय बलरामपुर में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (चिरायु) के अंतर्गत जिला स्तरीय मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। मेगा हेल्थ कैम्प में जिले के समस्त विकासखण्डों से चिरायु दल एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा विभिन्न श्रेणी अंतर्गत शून्य से 18 वर्ष के विभिन्न श्रेणी के अंतर्गत चिन्हित बच्चों को लाया गया था।

इस शिविर में 831 कुपोषित बच्चों का नि:शुल्क जांच एवं उपचार करने के साथ ही आयुष्मान कार्ड तथा डॉ.खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सुविधा कार्ड भी बनाया गया, इसके साथ ही शिविर में अन्य 276 मरीजों को भी स्वास्थ्य जांच कर लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार हेतु आयुष्मान भारत में अनुबंधित निजी चिकित्सालय संकल्प हॉस्पिटल रायपुर के विशेषज्ञ चिकित्सक (कार्डियोलॉजिस्ट, न्यूरोलॉजिस्ट) एवं जिला स्तर के विशेषज्ञ चिकित्सकों अपनी सेवायें दी।

सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह ने मेगा स्वास्थ्य शिविर में आये मरीजों के पंजीयन की जानकारी लेते हुए कहा कि शिविर में आये सभी मरीजों का शत-प्रतिशत पंजीयन कर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना है। शिविर में आये मरीजों का हाल-चाल जान उनके बीमारी के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिले के दूरस्थ क्षेत्र से आये मरीज के परिजनों से यहां आने के लिए वाहन व्यवस्था आदि की जानकारी ली। विधायक श्री सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी से शिविर में आये कुपोषित बच्चे किस क्षेत्र के हैं, की जानकारी लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर ऐसे कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर जिले को शत-प्रतिशत कुपोषण मुक्त करने की बात कही। कैंप में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा 0 से 18 वर्ष के विभिन्न श्रेणी के अंतर्गत चिन्हित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार किये जा रहे कक्षों का अवलोकन किया। विशेषज्ञों की टीम में कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ), न्यूरोलॉजिस्ट, शिशु रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, एमडी मेडिसिन, नेत्र रोग विशेषज्ञ, नाक कान गला रोग विशेषज्ञों से मिलकर हितग्राहियों अधिक से अधिक लाभ देने को कहा।

मेगा स्वास्थ्य शिविर में आये जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से आये मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु जिला प्रशासन द्वारा ओआरएस पेयजल एवं भोजन तथा सुरक्षा आने-जाने हेतु वाहन की व्यवस्था भी की गई थी, ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो और चिरायु मेगा हेल्थ कैम्प का अधिक से अधिक लाभ मिले। विधायक बृहस्पत सिंह एवं कलेक्टर कुंदन कुमार ने लोगों को मिल रहे भोजन की गुणवत्ता जांचने के लिए स्वयं लोगों के साथ बैठकर भोजन भी किया तथा खाने में संतोष जताया।

महिलाएं व बच्चों ने रंगोली के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमान्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा स्वच्छता को लेकर शहर विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल के मार्गदर्शन में तथा नगर निगम आयुक्त हरेश मंडावी के निर्देशन पर राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम द्वारा पूरे शहर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ।नगर निगम क्षेत्र में स्वच्छता संबंधी रंगोली एवं ड्राइंग प्रतियोगिताओ का आयोजन विगत दिनों से किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जोन क्रमांक 4 में 23 मई 2022 को विवेकानंद भवन में स्वच्छता विषय पर रंगोली प्रतियोगिता एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। ड्राइंग प्रतियोगिता में 15 बच्चों तथा रंगोली प्रतियोगिता में 25 महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यक्रम में नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एंबेसेडर विश्वनाथ पाणिग्रही एवं नवीता शर्मा उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में वार्ड निवासियों ने प्रतिभागियों द्वारा बनाये गए चित्रों ओर रंगोली को देखा। एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई । स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम से प्रबंधक मनीष त्रिपाठी ओर मुक्तेश कान्हे के साथ सभी सामुदायिक संगठक का विशेष योगदान रहा।

मार्केट क्षेत्र में नागरिको को मिलेगी आवागमन के लिए नई सड़क

56.46 लाख से होगा सड़क डामरीकरण विधायक व महापौर ने किया भूमि-पूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमान्तर्गत यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त रखने तथा सुगम यातायात हेतु मार्केट क्षेत्र वार्ड क्रमांक 30 व 31 इंदिरा मार्केट मजार के बाजु से प्रशासनिक भवन होते हुए जवाहार चौक तक और वार्ड क्रमांक 32 में राम मंदिर से दुर्गा मंदिर होते हुए तमेर पारा चौक तक लागत कुल 56.46 लाख का विधायक अरुण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल ने डामरीकरण विकास कार्य का विधिवत् पूजन-अर्चना कर भूमि-पूजन किया गया ।भूमि-पूजन के बाद विधायक श्री वोरा और महापौर श्री बाकलीवाल ने पूर्ण गुणवत्ता एवं निर्धारित अवधि में सड़क डामरीकरण का कार्य पूर्ण करने निगम के अधिकारियों व ठेकेदार को निर्देशित किया। भूमि-पूजन के इस अवसर पर सभापति राजेश यादव, एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी,संजय कोहले,भोला महोविया, हमीद खोखर, मनदीप सिंह भाटिया, शंकर सिंह ठाकुर, सुश्री जमुना साहू,मनीष बघेल,पार्षद सतीश देवांगन, सुश्री नीता जैन, एल्डरमेन रत्ना नारमदेव, कृष्ण देवांगन,अजय गुप्ता, कार्यपालन अभियंता राजेश पाण्डेय, उपअभियंता करण साहू, कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष अलताप अहमद, कन्या ढीमर, राजकुमार वर्मा, संदीप श्रीवास्तव, विकास यादव, राजू बक्शी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर विधायक अरुण वोरा ने कहा नागरिकों को अधिक से अधिक सुविधा मिले यह उनकी प्राथमिकता है। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा शहर विधायक अरुण वोरा के मार्गदर्शन में शहर के 60 वार्डो में विकास कार्य होगा। सड़क, नाली,पानी और बिजली से जुड़े हर काम होंगे।

नागरिक अब व्हाट्सएप की माईगव हेल्पडेस्क पर डिजिलॉकर सेवाओं का कर सकते है उपयोग

नई दिल्ली (पीआईबी)। सरकारी सेवाओं को सुलभ, समावेशी, पारदर्शी और सरल बनाने की एक बड़ी पहल के रूप में माईगव ने आज यह घोषणा की कि नागरिक अब डिजिलॉकर सेवाओं का उपयोग करने के लिए व्हाट्सएप पर माईगव हेल्पडेस्क का उपयोग करने में समर्थ होंगे। इन सेवाओं में व्हाट्सएप पर डिजिलॉकर खाते बनाना और उन्हें प्रमाणित करना, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण-पत्र जैसे दस्तावेज डाउनलोड करना शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्रं मोदी के नेतृत्व में सरकार डिजिटल इंडिया के माध्यम से ईज ऑफ लिविंग के लिए काम कर रही है। इस संदर्भ में व्हांट्सएप पर माईगव हेल्पीडेस्कं नागरिकों के लिए महत्व पूर्ण शासन और सरकारी सेवाओं को सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रमुख कदम है।

माईगव हेल्पडेस्क अब डिजिलॉकर सेवाओं से शुरू होकर एकीकृत नागरिक सहायता और कुशल शासन के लिए कई सेवाएं प्रदान करेंगी। नई सेवा नागरिकों को उनके घरों पर ही निम्नलिखित दस्तावेजों तक आसानी और सुविधा के साथ पहुंच स्थाकपित करने में सक्षम बनाएगी। देश भर में व्हाट्सएप उपयोगकर्ता व्हाट्सएप नंबर +91 9013151515 पर केवल 'नमस्ते या हाय या डिजिलॉकर' भेजकर चैटबॉट का उपयोग कर सकते हैं।

मार्च 2020 में अपने लॉन्चस के बाद से व्हाट्सएप पर माईगव हेल्पडेस्क (जिसे पहले माईगव कोरोना हेल्पडेस्क के नाम से जाना जाता था) ने लोगों को कोविड से संबंधित जानकारी के प्रामाणिक स्रोतों के साथ-साथ वैक्सीन लेने के लिए समय निर्धारित करने और वैक्सीकन प्रमाण-पत्र डाउनलोड करने जैसे महत्वपूर्ण उपयोगों के साथ कोविड-19 महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण साधन के रूप में काम किया है। अब तक 80 मिलियन से अधिक लोग हेल्पडेस्क से जुड़ चुके हैं और 33 मिलियन से अधिक वैक्सीन प्रमाण-पत्र डाउनलोड किए जा चुके हैं। इसके माध्य8म से देश भर में लाखों टीकाकरण के अपॉइंटमेंट भी बुक किए जा चुके हैं। डिजिलॉकर जैसे नए संवर्धनों के साथ व्हाट्सएप पर माईगव चैटबॉट का उद्देश्य नागरिकों के लिए संसाधनों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच स्थामपित करने के लिए डिजिटल रूप से समावेशी एक व्यापक प्रशासनिक सहायता प्रणाली का निर्माण करना है।

खास-खबर

धान कटाई करने पहुंचे ग्रामीण को मिला नरकंकाल

महासमुंद (ए)। सांकरा थाना क्षेत्र के ग्राम सल्डीह के एक खेत में नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने उक्त नर कंकाल के संबंध में आसपास के गांव में पूछताछ की तो पता चला कि मृतक पास में लगे ग्राम बनडबरी शंकरटुकड़ा का रहने वाला है। उसके बेटे ने पिता की पहचान की। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव के पीएम के बाद कंकाल परिजनों को सौंप दिया है। मौत का कारण पता नहीं चल पाया है। वहीं जानकारी मिली है कि मृतक 5 मई से बिना बताए अपने घर से निकला था। जहां शव मिला है वह गांव का आउटर है। सांकरा थाना प्रभारी उमाकांत तिवारी ने बताया कि सल्डीह में विरेन्द्र प्रधान के खेत में मिले नर कंकाल की पहचान लाभो बघेल (55 साल) के रूप में उसके बेटे वृंदावन पटेल ने की। वृंदावन पटेल ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से उसके पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी। 5 मई को वह बिना बताए घर से निकल गए थे। सोमवार सुबह सल्डीह के ग्रामीणों ने बताया कि नर कंकाल मिला है। इसके बाद आकर देखा तो वे पिता थे। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की मौत कब और कैसे हुई है, इसके संबंध में पीएम रिपोर्ट के बाद ही पता चल पाएगा।

धान कटाई करने गए ग्रामीणों ने दी थी सूचना

थाना प्रभारी ने बताया कि जिस जगह में कंकाल मिली है, वह गांव का आउटर है, जहां कचरा फेंका जाता है। इसलिए आए दिन यहां से बदबू आती थी। पिछले कुछ दिनों से बदबू आ रही थी, लेकिन ग्रामीण मवेशी के मरने का अंदेशा होने से देखने नहीं जा रहे थे। सुबह धान काटने के लिए हार्वेस्टर मशीन लेकर ग्रामीण खेत की ओर गए तब कंकाल पर नजर पड़ी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

पुलिस कर रहीं जांचः सड़क के किनारे खड़े ट्रक में से ड्राइवर का शव बरामद

महासमुंद (ए)। कोमना थानांतर्गत हाइवे-353 पर मानिगुड़ा गांव के पास सड़क किनारे खड़े मध्यप्रदेश नंबर की एक ट्रक से उसके ड्राइवर का शव बरामद किया गया। मृतक ड्राइवर का नाम नीलेश पटेल (29) बताया गया है, जो ट्रक नंबर एमपी 09 एचएच 5720 को विशाखापटनम से लोड कर निकला था। उसके गंतव्य तक समय पर नहीं नहीं पहुंचने के कारण ट्रक के मालिक ने जीपीएस ट्रैकर से ट्रक को ढूंढते हुए मौके पर पहुंचा और उसी ने सबसे पहले ड्राइवर सीट पर पड़े ड्राइवर के शव को देखा और तरबोड चौकी में सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। प्राथमिक जांच में पता चला कि ड्राइवर ने करीब 20 किमी पहले कोमना में डॉक्टर को दिखाया था और उसे सलाइन भी चढ़ाई गई थी, जिसकी पर्ची उसके पास से मिली। माना जा रहा है कि कोमना में तबीयत खराब होने पर उसने डॉक्टर को दिखाया होगा और कुछ ठीक लगने पर ट्रक लेकर निकल गया होगा, लेकिन करीब 20 किमी जाने के बाद मानिगुड़ा के पास उसकी तबीयत फिर बिगड़ी होगी और उसने ट्रक को हाईवे की साइड में लगा दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही ड्राइवर की मौत की वजह सामने आएगी।

सूरजपुर में 12 साल के बच्चे ने किया रेप

7 साल की बच्ची पेड़ से आम नहीं तोड़ पा रही थी पड़ोसी लड़का लालच देकर ले गया अपने घर

सूरजपुर (ए)। सूरजपुर में 7 साल की बच्ची से 12 साल के लड़के ने दुष्कर्म किया। बच्ची पेड़ से आम तोड़ने की कोशिश कर रही थी। यह देख आरोपी बच्चा उसे आम देने का लालच देकर अपने घर ले गया और दुष्कर्म किया। बच्ची जब रोते हुए खून से सनी अपने घर पहुंची तो मामला सामने आया। इसके बाद बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, देव नगर गांव में रविवार को कुछ बच्चे घर के बाहर आम के पेड़ के नीचे ही खेल रहे थे। इस दौरान वहां रहने वाली 7 साल की बच्ची आम तोड़ने का प्रयास करने लगी, लेकिन कामयाब नहीं हो पा रही थी। यह देखकर पड़ोस में रहने वाले 11 साल के बच्चे ने उसे आम का लालच दिया। उससे कहा कि घर में आम रखा है, चलो देता हूं। इस पर बच्ची उसके साथ चली गई।

खून से लथपथ घर पहुंची तो पता चला परिजनों को

लड़का अपने साथ बच्ची को लेकर घर के पीछे मवेशी बांधने वाली जगह ले गया और वहां आम देकर दुष्कर्म किया। किसी तरह बच्ची रोते हुए अपने घर पहुंची तो परिजनों ने देखा कि उसके खून बह रहा था। पूछताछ में मामला सामने आया। इस पर परिजन बच्ची को स्थानीय अस्पताल ले गए, लेकिन हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने आरोपी बच्चे को पकड़ लिया है। डिफलहाल बच्चे ने ऐसा कैसे किया, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस को आशंका है कि मोबाइल पर पोर्न वीडियो देखने के चलते बच्चे ने ऐसा करने का प्रयास किया होगा। ऐसे में पुलिस ने परिजनों को समझाइश दी है कि बच्चे के हाथ से मोबाइल दूर रखें। अगर बच्चा मोबाइल लिए हुए है तो उसकी निगरानी करें।

अंबिकापुर में भी 4 माह पहले आया था मामला

अंबिकापुर में करीब 4 माह पहले 8 साल की बच्ची से दुष्कर्म का डराने और चौंकाने वाला मामला सामने आया था। यह दुष्कर्म उस बच्ची के साथ किसी बाहरी ने नहीं उसी के परिवार के 6 नाबालिग लड़कों ने किया। ये नाबालिग लड़के उसके चचेरे भाई और दूसरे करीबी रिश्तेदार हैं और इनकी उम्र 6 से 13 साल की थी। बाद में इनका एक नाबालिग दोस्त भी इसमें शामिल हो गया। फिलहाल मामला कोर्ट में है।

बच्चों के पास जो मोबाइल उसमें मिले अश्लील वीडियो

तब भी यह सामने आया था कि बच्चों को ऑनलाइन पढ़ाई के लिए परिजनों ने मोबाइल दिया था। आरोपियों में सबसे बड़ा 13 साल का लड़का उसे रखता था। उसी मोबाइल से पुलिस को ढेरों अश्लील वीडियो मिले। इंटरनेट के जरिए पोर्न साइट्स पर जाने की लिंक मिली। दूसरे बच्चे भी इस मोबाइल से ये वीडियो देखते थे। इन लोगों ने सबसे छोटे 6 साल के बच्चे को भी ये वीडियो दिखाया और उससे ऐसा करने को कहा।

रोडरेज में बाप-बेटे को गोली मारी, आरोपी हुआ गिरफ्तार

महासमुंद (ए)। जिले के सिनापाली में रोडरेज की घटना में एक पिता-पुत्र को गोली मार दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिनापाली का सरोज मेहेर (52) व उसके बेटे नवरंजन मेहेर (30) कपड़ा बेचने का काम करते हैं। दोनों अपना काम खत्म कर बाइक से घर लौट रहे थे। उसी रास्ते से राजा पाणिग्रही नामक युवक अपने फोर व्हीलर से लौट रहा था।

बताया जा रहा है साइड देने को लेकर दोनों में बहस हो गई। उत्तेजित होकर राजा ने बाप-बेटे को गोली मार दी जो उनके जांघों में लगी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस हादसे में घायल हुए पिता पुत्र को अस्पताल में भर्ती कराया और आरोपी को पकड़ने में जुट गई। आरोपी राजा मौके से सीमा से सटे देवभोग (छग) भागने की सूचना पर पुलिस ने उसे धर दबोचा। उसके पास से पुलिस ने एक माउजर, दो मैगजीन, चार कारतूस आदि बरामद किया है।

हाइवा की टक्कर से बाइक सवार की मौत

पीछे बैठा दूसरा युवक गंभीर घायल, लोग बोले- खराब सड़क से हो रहे हादसे

भिलाई। जामुल थाना अंतर्गत कुरुद गांव में एक तेज रफ्तार हाइवा चालक ने बाइक सवार दो लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हाइवा ने बाइक को इतनी तेज टक्कर मारी कि बाइक सवार दोनों लोग हवा में उछलकर दूर जा गिए। वहीं मौके से भागने के चक्कर हाइवा भी पलट गया। इस दुर्घटना में बाइक चालक सुनील दिवाकर (28) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक में पीछे बैठे युवक गणपत दास को चोटें आई है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

जामुल पुलिस के मुताबिक बाइक चालक सुनील दिवाकर मुंगेली जिले के बाघमुड़ा गांव का रहने वाला है। वह वर्तमान में शिवपुरी आजाद चौक जामुल में रहता था। रविवार दोपहर एमजे कॉलेज से काम करके सुनील अपने साथी गणपत के साथ बाइक से घर लौट रहा था। वह जैसे ही शीतला तालाब कुरुद गांव के पास पहुंचा सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाइवा सीजी 07 बीएल 5396 के चलाक ने लापरवाही पूर्वक चलाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दी।

इस दुर्घटना में सुनील ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर जामुल पुलिस मौके पर पहुंची। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पीएम के लिए भेजा गया। वहीं घायल गणपत का इलाज चल रहा है। पुलिस ने हाइवा चालक के खिलाफ सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। लोगों का कहना है जिस जगह पर दुर्घटना हुई है वहां रोड काफी संकरा और खराब है। यहां आए दिन सड़क दुर्घटना होती रहती है। लोगों ने इसे सुधारने की मांग की है।

अश्लील हरकत में डीकेएस अस्पताल का डॉक्टर गिरफ्तार

नर्स से कहा-मेरे साथ रिलेशन बनाओ, नहीं तो नौकरी से निकलवा दूंगा, यहां ऐसे ही होता है

रायपुर (ए)। रायपुर की पुलिस ने डीकेएस (दाऊ कल्याण सिंह) हॉस्पिटल के एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। डायलिसिस डिपार्टमेंट के इस डॉक्टर ने नर्स से अश्लील हरकतें कीं। कुछ महीनों से डॉक्टर लगातार नर्स को परेशान कर रहा था। तंग आकर वह पुलिस के पास पहुंची और इसके बाद गोल बाजार थाने की पुलिस ने डॉक्टर को पकड़ लिया ।

डॉक्टर का नाम विकास सिंह है। डॉ. विकास डीकेएस अस्पताल के डायलिसिस डिपार्टमेंट का HOD है। साल 2018 से वो यहां काम कर रहा है। पुलिस से शिकायत करने वाली नर्स ने बताया है कि डॉक्टर की नीयत अच्छी नहीं है। वह अस्पताल की नर्सों पर नजरें गड़ाए बैठा रहता था। इस बार मामला बिगड़ गया और बात पुलिस तक जा पहुंची।

इसी साल फरवरी के महीने में डीकेएस अस्पताल में स्टाफ नर्सों का इंटरव्यू हुआ। युवती यहां काम की आस में पहुंची। डॉ. विकास ने ही उसका इंटरव्यू किया। युवती

को नौकरी मिल गई। कुछ दिनों तक सब कुछ सामान्य रहा। इसके बाद डॉ. विकास ने नर्स को अपने झांसे में लेना शुरू किया। कभी उसकी तारीफ करता तो कभी दोस्ती कर बातें करता। उसे बुरी नीयत से छूने का प्रयास किया तो युवती ने विरोध किया।

अस्पताल की दूसरी नर्स के साथ भी ऐसा ही किया

इसके बाद डॉ विकास ने नर्स से कहा- मेरे साथ रिलेशनशिप में आ जाओ तो तुम्हारे लिए अच्छा रहेगा। नर्स ने पुलिस को बताया है कि डॉक्टर विकास सिंह ने उससे कहा था कि यहां ऐसे ही होता है। वह अपने साथ नर्सों को होटल में लेकर जाता है। तुम भी मेरे साथ डेट पर चलो।

जब युवती ने संबंध बनाने से इनकार कर दिया, तब डॉक्टर विकास सिंह से रहा नहीं गया। वह लगातार युवती को काम में कमियां बताकर परेशान करने लगा। उसकी सैलरी भी घटा दी और उसे नौकरी से निकालने की धमकियां देने लगा। इसी से परेशान होकर अब गोलबाजार थाने में युवती ने शिकायत की। पुलिस फिलहाल इस केस में डॉक्टर से पूछताछ कर रही है। अस्पताल की दूसरी नर्स के भी बयान लिए जा सकते हैं।

शादी से इनकार करने पर लड़की का ड्रामाः दीवार फांदकर पहुंची घर के पास, बोली-रेप के मामले में फंसा दूंगी, अब थाने में शिकायत

कोरबा (ए)। कोरबा जिले में शादी से इनकार करने पर युवती ने फिल्मी स्टाइल में ड्रामा किया है। वह लड़के के घर के पास दीवार फांदकर पहुंच गई और जमकर हंगामा किया। इतने ही नहीं लड़के के परिजनों ने उस पर आरोप लगाया है कि वह घर के पास आकर कहती है कि मैं तुम लोगों को रेप के मामले में फंसा दूंगी। इस बात से तंग होकर अब लड़के की मां ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। मामला रामपुर चौकी क्षेत्र का है।

युवक ने मां ने शिकायत में बताया है कि हम इस लड़की के कारनामे से परेशान हैं। 4 साल पहले उसकी दोस्ती मेरी बेटे से हुई थी। दोस्ती के बाद दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। मगर कुछ समय पहले लड़के को पता चला कि युवती का किसी और से भी संबंध है। इस पर युवक ने उसे शादी से इनकार कर दिया था। इसके बाद से ही लड़की ये सब करना शुरू किया है।

बताया गया कि लड़की कई बार लड़के के घर के पास पहुंच चुकी है। एक बार तो वह सोसायटी के बाहर बने दीवार को

फांदकर अंदर आ गई और घर के दरवाजे के बाहर रखे जूते चप्पल में ही कुछ छिड़कने लगी। इस घटनाक्रम का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें लड़की ये सब करते हुए नजर आ रही है।

समाज के लोग शादी का दबाव बना रहे

युवक की मां ने बताया कि लड़की और समाज के लोग हम पर दबाव बना रहे हैं। कह रहे हैं कि उससे शादी करवा दो, नहीं तो ठीक नहीं होगा, लेकिन मेरा बेटा राजी नहीं है। हम भी नहीं चाहते की ऐसी लड़की से शादी हो। उन्होंने बताया कि लड़की हमारे घर के बाहर आकर तमाशा करती है। कहती है कि रेप के केस में फंसवा दूंगी। वह भी शादी जबरदस्ती शादी करवाने के लिए दबाव बना रही है।

उसने कई बार घर के बाहर आकर ये सब तमाशा किया है, जिससे हम प्रताडित हैं। इसके अलावा हमारे लड़के की शादी लगी थी। वहां जाकर भी लड़की ने तमाशा किया, जिससे शादी टूट गई। इसलिए हमने शिकायत की है। इधर, पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर ली है और मामले की जांच जारी है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैन्युअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप क्रमांक - 7164/ व.ले.लि. / लेखा खण्ड / 2022-23 दुर्ग, दिनांक 19.05.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.20215 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 01.06.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 03.06.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 09.06.2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :- 10.06.2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम No Of Call	कार्य की अनुमानित लागत (रू.लाख में)
1	2	3
6 T0032	अंडा फुंडा मेन रोड के कि.मी. 7/8 रिसामा में 1.50 स्पान का पुलिया निर्माण एवं बोरसी उतई मार्ग के कि.मी. 4/2 धनोरा में 0.60 मीटर का स्लेब निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	12.94

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :-1. " It is mandatory for the "B", "C" & "D" Class bidders, to submit (Annexure3, Annexure-"2".
2. It is Mandatory For The "A" Class bidder, to submit affidavit (Annexure 3, Appendix1, Anexure 1,2.
3. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-91426/3

कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

मर्चेंट मिल ने शिफ्ट रिकॉर्ड के साथ ही बनाया उत्पादन का दैनिक कीर्तिमान

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के मर्चेंट मिल में चैनल, एंगल सहित टीएमटी बार्स और लाइट स्ट्रक्चर्ल्स की रोलिंग की जाती है। मर्चेंट मिल ने प्रथम पाली में पाली प्रभारी महंत यादव की टीम ने 21 मई 2022 को 100 एमएम चैनल्स में 506 टन की रोलिंग कर एक नया पाली कीर्तिमान स्थापित किया है। एसएमएस-3 द्वारा उत्पादित बिलेट से 100 एमएम चैनल प्रोफाइल को रोल करना बेहद मुश्किल होता है परन्तु मर्चेंट मिल बिरादरी ने इस मुश्किल रोलिंग को भी सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।

मर्चेंट मिल की इसी टीम ने पुन: 22 मई 2022 को प्रथम पाली में 561 टन की रोलिंग कर फि्र से एक नया पाली कीर्तिमान स्थापित किया है। इसी क्रम में 22 मई 2022 को मर्चेंट मिल ने 1502 टन का उत्पादन कर, एक नया सर्वश्रेष्ठ दैनिक रिकॉर्ड कायम किया। भिलाई इस्पात संयंत्र के उच्च प्रबंधन ने मर्चेंट मिल और संबंधित सहयोगी शॉप्स के पूरी टीम को नया रिकॉर्ड बनाने हेतु बधाई दी।

बरसात से पूर्व कार्य पूर्ण होने से नागरिकों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधाः वोरा

विधायक के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में जी ई रोड़ का डामरीकरण हुआ प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जीई रोड का डामरीकरण आज से शुरू हो गया। साइंस कॉलेज के सामने जीई रोड पर बीटी रिनीवल कार्य का जायजा लेने पहुंचे वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य करने के निर्देश दिये। वोरा पिछले 6 महीने से पीडब्लूडी अफसरों को जीई रोड का डामरीकरण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दे रहे थे। हाल ही में वोरा ने पीडब्लूडी के ईई को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि बरसात शुरू होने से पहले हर हाल में डामरीकरण कर लिया जाए। वोरा के सख्त निर्देश पर आज से डामरीकरण कार्य प्रारंभ हो गया।

आपको बता दें कि करीब 64 करोड़ की लागत से नेहरू नगर चौक से मिनीमाता चौक तक डामरीकरण, सड़क चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत नेहरू नगर चौक से ओवरब्रिज के बटालियन छोर तक डामरीकरण कार्य हो चुका है। अब ओवरब्रिज के साइंस कालेज छोर से मिनीमाता चौक तक डामरीकरण कार्य शुरू किया जा रहा है।

वोरा ने बताया कि बरसात से पहले पुलगांव चौक तक सड़क डामरीकरण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। जीई रोड पर काफी जगहों पर गड्?ढे हो गए थे। सड़क ऊबड़खाबड़ हो गई थी। नागरिकों की सुविधा के लिए उन्होंने सड़क डामरीकरण कार्य करने कहा। डामरीकरण कार्य पूरा होने पर जीई रोड में आवागमन करने वाले हजारों लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी। वोरा ने पीडब्लूडी अफसरों से जीई रोड पर सभी चौक-चौराहों के सौंदर्यीकरण सहित प्रोजेक्ट के अन्य कार्य समय पर पूर्ण करने कहा है।

विकास ही हमारी सरकार का मूलमंत्र, धन की कमी कभी आड़े नहीं आएगी-सरोज पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने रायपुर मंडल के वरिष्ठ रेलवे अधिकारीयों से मुलाकात की तथा रायपुर मंडल में वर्तमान में चल रहे रेलवे से सम्बंधित सभी विकास कार्यों की समीक्षा की। चर्चा के दौरान रेलवे के अधिकारीयों ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार द्वारा स्वीकृत सभी विकास और विस्तार के कार्य सुचारु रूप से चल रहे हैं तथा निकट भविष्य में इसके पूर्ण होने की सम्भावना है। उन्होंने जानकारी दी कि रायपुर से लखोली दूसरी लाइन का कार्य लगभग पूर्ण हो चूका है और दो महीने के अंदर इसमें रेल का परिचालन शुरू हो जाएगी साथ ही, अंतागढ़ से रावघाट रेल लाइन का कार्य प्रारम्भ हो चूका है जल्द ही इसे भी पूर्ण कर दिया जायेगा। दुर्ग स्टेशन के सौंदर्यीकरण तथा विस्तारीकरण हेतु वास्तुविद नियुक्त करने की जो निविदा आमंत्रित की गयी थी, उसकी प्रक्रिया आगे बढ़ गयी है तथा जल्द ही इस हेतु एजेंसी तय कर ली जाएगी। सुश्री पांडेय ने दुर्ग परिक्षेत्र में चल रहे सभी आरओबी/आरयूबी की जानकारी ली तथा इन्हें शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

सुश्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पुरे देश में रेल के नेटवर्क को बढ़ाने और सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए सैकड़ों परियोजनाएं लागू कि हैं तथा इस पर तय समयसीमा के अनुसार कार्य करने का लक्ष्य रखा है। जनता कि सुविधा के लिए विकास ही हमारी सरकार का मूलमंत्र है और विकास के लिए धन की कमी कभी आड़े नहीं आएगी।

सेल मना रही है अपनी स्थापना के 50वें साल का उत्सव, जारी किया कंपनी का विशेष लोगो

भिलाई। देश की सार्वजनिक क्षेत्र की स्टील उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), इस साल यानि 2022 में अपनी स्थापना के पचासवें साल का उत्सव मना रही है। सेल की स्थापना 24 जनवरी, 1973 हुई थी।

सेल ने अपने पचास साल की इस महान विरासत को यादगार बनाने के लिए आज एक स्मारक लोगो लांच किया है, जिसके बाद देश भर में स्थित कंपनी के संयंत्रो और इकाइयों में पूरे साल अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर लांच किया गया स्मारक लोगो का डिजाइन, कंपनी के मूल लोगो को बरकरार रखने के साथ, कंपनी की पचास साल की इस यात्रा की भावनाओं को बड़ी खूबसूरती से संजोये हुए है। यह लोगो सेल अध्यक्ष श्रीमती सोमा मण्डल ने 23 मई, 2022 को कंपनी के निदेशकों की मौजूदगी में लांच किया।

यह उपलब्धि सालों से देश के निर्माण में स्टेकहोल्डर्स की बेहतर भागीदारी और योगदान सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के निरंतर प्रयासों और पहलों का प्रमाण है।

सेल SAIL 50 स्थापना के 50 साल 50 YEARS OF INCORPORATION स्वर्ण जयंती ★ SWARNA JAYANTI

मई में संपत्तिकर जमा करके पाए 6.25 प्रतिशत छूट का लाभ

आयुक्त ने निर्धारित समय से पूर्व संपत्तिकर जमा करने की अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 की टैक्स वसूली शुरू हो गई है। महापौर नीरज पाल ने इस बार बजट में किसी भी प्रकार से टैक्स में बढ़ोत्तरी नहीं की है, बल्कि मई के माह में टैक्स में भारी छूट लोगों को मिल रहा है। छूट का लाभ लेते हुए कर जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वहीं आयुक्त प्रकाश सर्वे ने भी करदाताओं को निर्धारित समय से पूर्व टैक्स जमा कराकर करदाताओं को छूट का लाभ दिलाने कहा है। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी एवं उपायुक्त ने जानकारी देते हुए बताया कि इस बार करदाता चालू वित्तीय वर्ष का 31 मई के भीतर देय संपत्तिकर जमा कर 6.25 प्रतिशत छूट का लाभ पा सकते हैं। वहीं 1 जून से 31 जुलाई के भीतर देय संपत्तिकर जमा कर 5 प्रतिशत, 1 अगस्त से 30 सितंबर के भीतर देय संपत्तिकर जमा कर 4 प्रतिशत की रियायत पा सकते हैं। इसी प्रकार 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के भीतर देय संपत्ति कर जमा कर 2 प्रतिशत की छूट का लाभ ले सकते हैं। इस छूट का लाभ उठाकर क्षेत्र के करदाता संपत्तिकर जमा कर सकते हैं। कइयों ने ऑनलाइन संपत्तिकर जमा किया है। 6.25 छूट का लाभ 31 मई तक लिया जा सकता है। आयुक्त ने जोन के सहायक राजस्व अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि टैक्स कलेक्शन के लिए अपने-अपने क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा करते हुए और वसूली बढ़ाने के लिए स्पैरो से समन्वय बनाकर काम करें।

ब्रह्माकुमारी दीदी बनकर महिला कर रही वसूली, संस्था की छवि हो रही खराब, संस्थान ने की पुलिस से शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक अन्तराष्ट्रीय एवं आध्यात्मिक ख्यातिनाम संस्थान है, जिसकी पूरे विश्व के 140 देशों में शाखायें फैली हुई हैं। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान पूरे विश्व में राजयोग मेडिटेशन एवं अपने आदर्श मूल्यों और उच्च संस्कारों के लिए जानी जाती है। यह दुनिया की पहली संस्थान है जिसकी बागडोर बहनों के हाथ में है। यह संस्थान लोगों में नैतिक मूल्यों के जरिये लोगों का जीवन श्रेष्ठ बना रही है। पूरे विश्व में संस्था के सभी कार्यक्रम एवं राजयोग मेडिटेशन व्यक्तित्व विकास एवं जीवन प्रबन्धन के सकारात्मक विभिन्न कोर्स पूर्णतया निशुल्क होते है

पिछले कुछ महीनों से हमेशा हमें विभिन्न शेक्षणिक कार्यालयों एवं शहर के गणमान्य नागरिको से प्राप्त जानकारियों के आधार से सुनने व देखने में आ रहा है कि शहर के विभिन्न स्थानों पर एम उषा नाम की महिला जो अपने को ब्रह्माकुमारी बताती है तथा ब्रह्माकुमारी बहनों की तरह सफेद साड़ी पहनकर और बैज लगाकर सेवा के नाम पर पैसे माँगती है। इसके साथ ही वह जगह जगह खाना, पीना भी करती है व अन्य गतिविधियाँ करती है जो कि संस्था के विपरीत है। जिससे ब्रह्माकुमारीज संस्था का नाम खराब हो रहा है। यह संस्था की गरिमा के विपरीत है।

यदि एम उषा नाम की महिला द्वारा यदि किसी को भी किसी भी प्रकार की चाहे मानसिक शारीरिक आर्थिक नुकसान होता है तो उसके लिए प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय संस्था जिम्मेवार नहीं होगी।

अत: आपसे विनम्र निवेदन है कि उक्त महिला के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करते हुए उसे ब्रह्माकुमारीज के ड्रेस पहन कर संस्थान के नाम से पैसे मांगने और अन्य गतिविधियों पर रोक लगाने की कृपा करें, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की बड़ी घटना न हो एवं इस्पात नगरी भिलाई एवं विश्वयापी संस्थान की प्रतिष्ठा को बचाया जा सके।

निदान 40: मेंटल चाइल्ड को हायर सेंटर रेफर शिविर में पहुंचे दंपत्ति, कराया विवाह पंजीयन

- इंदिरा चौक के निकट का वीडियों देख आयुक्त ने तत्काल नाली बनाने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। इंदिरा चौक के निकट रहने वालों की मोबाइल पर वीडियों देख आयुक्त आशीष देवांगन संवेदनशील होने का परिचय दिया। उन्होंने फुटेज देखने के बाद 3 अलग-अलग स्थानों पर 1.50 लाख की लागत से नाली बनाने निर्देश दिए। निदान 40 में वैसे तो अब तक के सर्वाधिक 450 लोगों ने आवेदन कर पंजीयन कराया। इसमें से 115 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।

सोमवार को स्टेशन मरोदा ओवर ब्रिज के नीचे शंकर पारा, विजय चौक और सूर्या नगर स्टेशन मरोदा वार्ड के नागरिकों के लिए निदान 40 जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान झग्गर सिंह साहू ने वार्ड 20 की तस्वीर को अपने मोबाइल पर कैद कर लाया था। जिसमें इंदिरा चौक के दर्जनभर लोगों की बजबजाती नाली के बीच जीवन यापन को देख आयुक्त आशीष देवांगन बिना देरी किए नाली निर्माण कार्य स्वीकृत किया। उन्होंने प्रभारी उपअभियंता उमयंती ठाकुर को निर्देश दिए कि शीघ्रता के साथ औपचारिकता पूरी कर कार्य पूर्ण करे। निदान 40 शिविर में महापौर शशि अशोक सिन्हा, सभापति केशव बंछोर, एमआईसी सद्स्य सनीर साहू, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, परमेश्वर पार्षद, चन्द्रप्रकाश निगम, रेखा देवी, विनय नेताम आदि उपस्थित थे।

चलित चिकित्सा ईकाई ने किया रेफर

विजय नगर स्टेशन मरोदा वार्ड 20 के मनोज मारकण्डे अपनी 14 साल की मंद बुद्धि बच्ची को लेकर शिविर स्थल पहुंचा था। वह अपनी पुत्री का ईलाज कराना चाहता है। संसाधन के अभाव में पहले बच्ची का मौके पर चलित चिकित्सा ईकाई (एमएमयू) में परीक्षण कराया। वहां मौजूद चिकित्सक ने बच्चे के मस्तीष्क का सिटी स्केन कराने जिला अस्पताल रेफ्र किया। साथ ही समुचित ईलाज के लिए परिजनों को मार्गदर्शन दिया गया।

सभापति ने दिया प्रमाण पत्र

शिविर स्थल में सभापति केशव बंछोर ने प्रत्येक टेबल तक पहुंचे और समस्या मूलक आवेदन लेकर आए नागरिकों से चर्चा की। इस दौरान केशव बंछोर ने शिविर स्थल में नए राशन कार्ड का वितरण किया। साथ ही विवाह पंजीयन कराने आए दंपत्ति को चन्द्रप्रकाश निगम व जन्म मुत्यू पंजीयन प्रभारी जगरनाथ कुशवाहा ने प्रमाण पत्र सौंपा।

3067 रूपए जमा

शिविर में वर्षों से नजूल व बीएसपी की जमीन पर घर तैयार कर रहे लोगों ने पट्टा की मांग की है। वहीं राशन कार्ड बनाने 199, पेंशन के लिए 24, नए नल कनेक्शन के लिए 24, प्रधानमंत्री आवास के लिए 10, गुमास्ता के लिए 15, निर्माण संबंधी 27, मजदूर कार्ड बनाने 56 और आधार कार्ड बनाने 56 लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही एक ने 3067 रूपए संपत्तीकर के रूप में राशि जमा की।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950